RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7 फूल के किरदार के लिए दीपिका...

वर्ष : 26 | अंक : 359 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

# हंगामें, धक्का-मुक्की की भेंट चढ़ा 'संसद सत्र'

## क्राइम ब्रांच कर सकती है धक्का-मुक्की केस की जांच

## संसद की गरिमा सामूहिक जिम्मेदारी : स्पीकर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के चालू शीतकालीन सत्र का आज अंतिम दिन है। अंतिम दिन की कार्यवाही शुरू होने से एक दिन पहले हुए धक्का-मुक्की कांड को लेकर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्ष ने विजय चौक पर प्रोटेस्ट किया। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया पर प्रचारित करने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद पांच मिनट के भीतर ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई।

वहीं राज्यसभा की कार्यवाही भी अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई। संसद के शीतकालीन सत्र में कई अहम मुददों पर चर्चा नहीं हुई और कई विधेयक पास नहीं हुए। संसद का यह सत्र धक्का-मुक्की, हंगामे व आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ गया।

डॉक्टर आंबेडकर को लेकर जारी गतिरोध के बीच लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में संसद के किसी द्वार पर कोई राजनीतिक दल प्रदर्शन नहीं करेगा। इस निर्देश का उल्लंघन करने पर संसद उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने यह भी नसीहत दी कि संसद की गरिमा सामूहिक जिम्मेदारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के द्वारा आंबेडकर पर दिए गए बयान के बाद शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। संसद में आज भी भारी गहमागमी है। इससे पहले गुरुवार को धक्का-मुक्की कांड हुआ था, जिस पर सियासी उबाल अपने चरम पर है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

### राहुल पर किन धाराओं में केस ?

राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की इन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है.
- धारा 109 : हत्या का प्रयास
- धारा 115 : स्वेच्छा से चोट पहुंचाना
- धारा 117 : स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना
- धारा 121 : सरकारी कर्मचारी को उसके कर्तव्य से विचलित करने के लिए चोट पहुंचाना
- धारा 351 : आपराधिक धमकी
- धारा 125 : दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालना

### प्रियंका को दिया सिख दंगों का बैग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के बैग इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। वह लगातार नए-नए बैग लेकर संसद पहुंच रही हैं। कभी अडानी तो कभी बांग्लादेश लिखे हुए बैग उनके सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी ने प्रियंका गांधी को एक बैग दिया है। जो मीडिया में सुर्खियां बन गया है। ओडिशा से बीजेपी की महिला सांसद अपराजिता ने प्रियंका गांधी को जो बैग दिया है। उस पर 1984 लिखा हुआ है। बैग पर 1984 को खून से रंगा दिखाया गया है, जो 1984 के सिख दंगों की याद दिला रहा है।

### राहुल गांधी किसी को धक्का नहीं दे सकते

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को संसद परिसर में सांसदों की धक्का-मुक्की वाले विवाद पर कहा कि यह सरकार डरती है। यह सरकार अदाणी मामले पर चर्चा करने से डरती है। यह किसी भी चर्चा से डरती है। उन्हें पता है कि आंबेडकर के लिए उनकी सच्ची भावनाएं सामने आ चुकी हैं। इसलिए, अब वे विपक्ष से डरे हुए हैं क्योंकि हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'यह सरकार की हताशा है। वे इतने हताश हैं कि वे झूठी FIR दर्ज कर रहे हैं। राहुल कभी किसी को धक्का नहीं दे सकते। मैं उनकी बहन हूं, मैं उन्हें जानती हूं। वे ऐसा कभी नहीं कर सकते। सच कहूं तो, देश भी यह जानता है। ये सब ध्यान भटकाने वाली बातें हैं।'

# जयपुर में मौत का तांडव, 8 लोग जिंदा जले

## एलजीपी व सीएनजी ट्रक में टक्कर के बाद ब्लास्टर, 40 गाड़ियां जली

**जयपुर (एजेंसी)।** जयपुर में शुक्रवार की सुबह मौत का तांडव देखने को मिला। जयपुर के भांकरोटा इलाके में शुक्रवार सुबह हुए हादसे ने सबको हिलाकर रख दिया है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल पंप के पास एक LPG ट्रक और CNG ट्रक में खतरनाक टक्कर के बाद बड़ा हादसा हो गया। जानकारी के मुताबिक, इस अग्निकांड में एक-एक कर 40 से ज्यादा गाड़ियां आग की चपेट में आ गईं। इस दौरान यात्रियों से भरी बस में भी आग लग गई और इसमें सवार 5 यात्री जिंदा जल गए। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 40 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, जयपुर सवाई मान सिंह अस्पताल में 5 डेड बॉडी और 37 जले हुए लोग पहुंचे हैं।

हादसे के चश्मदीद सुनील ने घटना के बारे में बताया कि हम राजसमंद से जयपुर आ रहे थे। हमारी बस के बिलकुल पास में अचानक से ब्लास्ट हुआ। हमारे चारों तरफ आग ही आग थी और बस के अंदर भी आग आ चुकी थी।

उन्होंने आगे बताया कि हम बाहर निकलने की कोशिश करने लगे तो पता चला कि मेन गेट लॉक है। इसके बाद हम खिड़की तोड़कर बाहर निकले। हमारे साथ 8 से 10 लोग और भी बाहर निकले। कुछ लोग अंदर ही रह गए थे और कुछ लोग जल भी गए।

आग लगने की घटना पर जयपुर डीएम जितेंद्र सोनी ने कहाकि करीब 40 गाड़ियां आग की चपेट में आ गईं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस पहुंचीं। राहत कार्य जारी है। आग पर काबू पा लिया गया है और अब सिर्फ 1-2 गाड़ियां ही बची हैं। इस घटना में करीब 23-24 लोग घायल हुए हैं।

इसी बीच एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने अपने यहां भर्ती मरीजों की लिस्ट जारी की है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

# DND पर टोल वसूलने पर लगी रोक बरकरार

## शहरवासियों में हर्ष की लहर, मिठाई खिलाकर बांटी खुशी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली-नोएडा में रहने वालों के लिए राहत भरी खबर है। खबर यह है कि दिल्ली-नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने पर रोक बरकरार रहेगी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर निजी कंपनी की याचिका खारिज कर दी है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में निजी कंपनी के डीएनडी फ्लाईवे पर टोल वसूलने **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

## प्रदेश के मंत्री का इंस्टाग्राम हैक

**नोएडा (चेतना मंच)।** हैकर्स ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष (दर्जा प्राप्त मंत्री) कैप्टन विकास गुप्ता की फेक आईडी बनाकर लोगों को मैसेज कर रहा है। कैप्टन विकास गुप्ता ने बताया कि किसी व्यक्ति ने गलत नीयत से उनके इंस्टाग्राम पर फेक आईडी बनाई है तथा उनके परिजनों एवं मित्रों को मैसेज कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी व्यक्ति को न जानते हैं औरन ही उनका उससे दूर-दूर तक कोई संबंध है। कोई भी फेक आईडी से भेजे गए मैसेज के बहकावे में न आएं। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस विभाग तथा इंस्टग्राम को कर दी है।

## महिला के ऊपर से निकल गया ट्रक का पहिया, हुई मौत

### ट्रक की टक्कर से कैंटर चालक मरा

**नोएडा (चेतना मंच)।** अलग-अलग स्थान पर हुए सड़क हादसों में महिला व कैंटर चालक की मौत हो गई। हादसों के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गए।

कुलेसरा निवासी अभय कुमार सिंह ने थाना ईकोटेक 3 में दर्ज कर रिपोर्ट में बताया कि 17 दिसंबर को वह अपनी मां श्रीमती पिंकी देवी के साथ बाइक से चौगानपुर गांव जा रहे थे। जैसे ही वह हल्द्वानी मोड़ के पास पहुंचे तो तेज गति में आ रहे ट्रक कंटेनर के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से उनकी मां सड़क पर गिर गई और ट्रक कंटेनर का पिछला पहिया उनके ऊपर से उतर गया । इस हादसे में वह तथा उसकी मां पिंकी देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उनके माँ की गंभीर स्थिति को देखकर शारदा अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। शाम के समय उपचार के दौरान उनकी मां की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

वहीं थाना दनकौर क्षेत्र के इस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर लगने से कैंटर चालक की दर्दनाक मौत हो गई। मूल रूप से बदायूं निवासी हृदेश अपने कैंटर में माल भरकर फरीदाबाद हरियाणा से नोएडा आ रहा था। पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर तेज गति में आ रहे ट्रक के चालक ने कैंटर में टक्कर मार दी। इस हादसे में हृदेश गंभीर रूप से घायल हो गया। कैंटर के परिचालक पप्पू ने हादसे की जानकारी कैंटर मलिक को दी गंभीर हालत में हृदेश को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

## वांछित इनामी बदमाश पुलिस ने दबोचा

**नोएडा (चेतना मंच)।** थाना फेस-3 पुलिस ने 20 हजार के एक इनामी वांछित बदमाश को गिरफ्तार किया है।इसके पास से चाकू बरामद हुआ है गैंगस्टर एक्ट में वांछित चलने के कारण बदमाश पर इनाम घोषित किया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-65 की ग्रीन बेल्ट के पास से रोहित उर्फ निप्पल पुत्र प्रेम को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में इसके पास से एक चाकू भी बरामद हुआ। रोहित के खिलाफ पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। इस मामले में वह वांछित चल रहा था। लगातार वंचित चलने के कारण आरोपी पर 20000 का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया बदमाश संगठित गिरोह का सदस्य है। यह गिरोह मोबाइल टावरों से आरआरयू व अन्य टीम के उपकरणों को चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देता था।

## रेकी करने के बाद चुराते थे बाइक

**नोएडा (चेतना मंच)।** रेकी करने के बाद वाहन चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देने वाले गिरोह के चार सदस्यों को थाना सेक्टर 126 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के साथ दो पहिया वाहन, तमंचा व कारतूस बरामद हुए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम पुश्ता रोड पर पुलिस टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान दो बाइक पर आ रहे चार युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर चारों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से तमंचा का कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम संजय आदित्य कार्तिक व सुमित बताया आरोपियों ने स्वीकार किया कि उनसे बरामद दोनों बाइक चोरी की है। कड़ाई से पूछताछ करने पर पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी की 7 बाइक और बरामद की। आरोपियों ने बताया कि वह चोरी करने से पहले रेकी करते थे। वह इस बात का खास ध्यान रखते थे कि जहां वह चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं वहां कोई सीसीटीवी कैमरा तो नहीं लगा हुआ है। पकड़े गए बदमाशों ने वाहन चोरी की क्या घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

### दो लैपटॉप चोरी

**नोएडा (चेतना मंच)।** थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-50 से चोरों ने दो लैपटॉप चोरी कर लिए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर-50ए ब्लॉक में रहने वाली इंदू अरोड़ा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 10 दिसंबर की रात्रि को वह घर वापस आए तो उन्हें घर में रखा बैग गायब मिला। बैग में उनके बेटे तथा बहू के दो लैपटॉप रखे हुए थे। उन्होंने बैग की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

# नोएडा के डीपीएस व लोट्स वैली स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा-दिल्ली के स्कूलों को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल व लोट्स वैली स्कूल को भी धमकी भरा ईमेल मिला है। थाना सेक्टर-126 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिसके बाद पुलिस से लेकर स्कूल प्रशासन अलर्ट हो गया। एहतियातन बच्चों को बाहर निकाला गया है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें बच्चों की छुट्टी कर दी गई है। मौके पर पुलिस और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची है। स्कूल अभिभावकों को संदेश भेज गए। प्रिंसिपल का कार्यालय की तरफ से भेजे जा रहे संदेश में

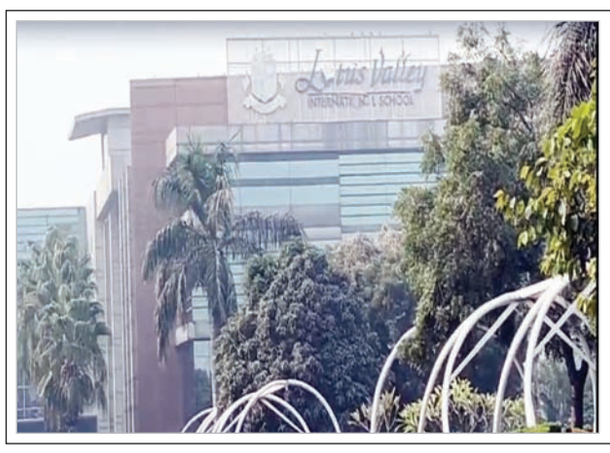

बताया गया कि स्कूल को एक ईमेल प्राप्त हुआ है, जिससे छात्रों की सुरक्षा को खतरा है। एहतियात के तौर पर हम छात्रों को तुरंत घर वापस भेज रहे हैं। निजी यात्री कृपया अपने बच्चे को यथाशीघ्र संबंधित गेट से स्कूल परिसर से लेने की व्यवस्था करें।

दिल्ली के द्वारका में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित मदर मैरी स्कूल में भी बम की धमकी मिली। वहीं, संस्कृति स्कूल और पुष्प विहार स्थित एमिटी स्कूल को भी ईमेल के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

## चोरी की बाइक व स्कूटी के साथ बदमाश गिरफ्तार

**नोएडा (चेतना मंच)।** पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी की 5 बाइक, दो स्कूटी, तमंचा कारतूस व चाकू बरामद हुए हैं। पकड़े गए बदमाशों में एक बाल अपचारी भी शामिल है।

थाना सेक्टर-39 पुलिस में चेकिंग के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया उनके पास से चोरी की दो बाइक एक स्कूटी बरामद हुई है। जानकारी के मुताबिक पुलिस टीम सेक्टर-41 पुलिस चौकी के पीछे वाली रोड पर नर्सरी के पास तिराहे पर बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। सोम बाजार छलेरा कट की तरफ से तीन बाइक पर कुछ युवक पुलिस को आते हुए दिखाई

दिए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोकने का इशारा किया तो वह भाग निकले। तेजी से मुड़ने के कारण युवकों की बाइक स्लिप हो गई इसके बाद पुलिसकर्मियों ने बाइक सवार युवकों को दबोच लिया। तलाशी में युवकों के पास से चाकू भी बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने अपना नाम सचिन, शिवम मिश्रा, सनी गुप्ता बताए। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में एक बाल अपचारी भी है। पकड़े गए बदमाशों ने स्वीकार किया कि दोनों बाइक स्कूटी चोरी की है। उन्होंने कुछ दिनों पूर्व इन वाहनों को चोरी किया था और वह इन्हें बेचने के लिए लेकर जा रहे थे।

थाना दादरी पुलिस ने रामगढ़ कट के पास चैकिंग के दौरान बाइक पर आ रहे दो युवकों को रोकने का इशारा किया पुलिस को देखकर बाइक सवार बाइक को मोड़कर भागने लगा। संतुलन बिगड़ने के कारण बाइक सड़क पर गिर गई जिसके बाद पुलिस ने बाइक सवारों को दबोच लिया। तलाशी में उनके पास से तमंचा, कारतूस व कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपना नाम अमन शर्मा व सचिन बताया। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने उक्त बाइक गाजियाबाद **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

## सियासी खेल

प्रासंगिकता के कई प्रश्नों से रूबरू हिमाचल को अपने औचित्य और अनुचित व्यवहार पर गंभीरता से सोचना होगा। हर खेल सियासी नहीं हो सकता और न ही सियासत ही सफलता का ध्येय होना चाहिए, लेकिन हिमाचल अब हर कदम पर राजनीतिक दिशा-निर्देश देखने लगा है। नए कार्यालयों, नए बस डिपो, नए सरकारी होटलों, नए डाक बंगलों, नई सड़कों और नए जुमलों की जमीन पर राजनीति की ही खेती होने लगी है, वरना क्यों सरकारी इमारतों में छात्रों की कमी, सरकारी बसों में यात्रियों की कमी और दफ्तरों की खाली कुर्सियों के आगे आशाओं की कमी हो जाती। ऐसे में जब तपोवन में शीतकालीन सत्र का आगाज विपक्ष के विरोध से सराबोर हो जाता है, तो कहीं प्रदेश मुंह छुपा रहा होता है। इस सारे शोर के बीच वह अर्जी भी नजर आती है जहां पांच सौ करोड़ का और ऋण उठाया जा रहा है, ताकि सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और सेवानिवृत्ति के बाद की पेंशन को बांटा जा सके। आखिर कितनी चिलम पीता है तेरा खजाना, हम इस धुएं की खातिर ही सुलग रहे हैं। इसी बीच कई फैसलों की लौ के बीच आशा यही कि सुशासन की तालीम में जनता की मुराद पूरी हो। लेकिन सपने अब ढोंग करते हैं। हमेशा विपक्ष की आरजू में देखें तो सरकारों के कठोर फैसले रहम नहीं खाते और सत्ता से पूछें तो राज्य का सरकारी ढांचा फिजूलखर्ची के बिना चल नहीं सकता। वर्तमान सरकार के आने पर डिनोटिफिकेशन के पंजे ने अप्रासंगिक संस्थानों के दरवाजे बंद कर दिए, लेकिन खिड़कियों ने फिर से ताले खोलने शुरू कर दिए हैं। ऐसे में अप्रासंगिक कौन और क्यों नहीं, हम विचार कर पाते कि हमारी आर्थिक क्षमता और जरूरत के लिए किस सबब से उधार की व्यवस्था को अंत तक ढोना है। हम एक बार फिर विधानसभा सत्र की गरिमा से पूछेंगे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितना हिमाचल और कहां तक हिमाचल देखा जा रहा है। एक ओर कर्मचारी अपनी कॉडर विसंगतियों के बावजूद अपने वेतन-भत्तों की समांतर रेखाएं खींचने पर उतारू और दूसरी ओर सरकारी कार्य संस्कृति के हर पहलू में रिसाव से तंग जनता सिर्फ राजनीतिक बदलावों से अपनी चुनावी भूमिका में मशरूफ। हर चुनाव पहले से मगरूर और हर सत्र पहले से क्रूर। क्रूर इसलिए क्योंकि बहस के समय में आम जनता के प्रश्नों का कचूमर होते देखा जाता है और चर्चाएं गौण हो जाती हैं। क्या प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर पक्ष-प्रतिपक्ष के मजमून और मुद्दे, सदन के भीतर आत्मचिंतन करेंगे या वहां हिमाचल के भविष्य के प्रश्नों पर विचार होगा। आश्चर्य यह कि न सरकार के फैसलों की राह सदन में जवाबदेह है और न ही विपक्ष का विरोध प्रदेश के साथ वहां प्रवेश करता है। उदाहरण के लिए पिछली सरकारों ने शहरी निकायों की सीमा बढ़ाई, तो यह दस्तूर आज भी जारी है और अब राज्य में नए नगर निगम तक बन गए, लेकिन शहरी विकास मंत्रालय का दायरा व वित्तीय व्यवहार वहीं का वहीं ही रहा। सीमेंट उत्पादन करके भी हिमाचल के विकास को सदा महंगी होती बोरी मिल रही है। यह हर सरकार का दस्तूर है, इसलिए चर्चा बेकसूर है। आश्चर्य यह कि राजनीतिक वचन और वादे अपनी फेहरिस्त में सरकारें बना रहे हैं, लेकिन सरकारों की निरंतरता में न काम जारी रहते और न ही योजनाएं। पूरे प्रदेश का सर्वेक्षण करें तो शिलान्यासों के अनेक खंजर चुभे मिलेंगे और आधी-अधूरी इमारतों के खंडहर मजबूर मिलेंगे। इसलिए तपोवन के सत्र को अपने से कुछ दूर कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के हर पहलू पर दिल व जिगर का हवाला देना है, तो जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की खराब हुई मिट्टी की वजह भी बतानी है। वहां केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रासंगिकता का कत्ल अगर कल एक आईटी पार्क की स्थापना से बच जाए, तो कुछ ऐसा भी कहा जा सकता है। होंगी खबरें बहुत तपोवन तेरे प्रांगण में, मगर सवाल यहां भी दफन हो रहे हैं हिमाचल के। इसी परिसर के चार दिन कब लौट जाएंगे, यह सवाल उदास गलियारे करते हैं। साल भर इस भवन की रौनक में पर्यटन की शुमारी ढूंढ रहे अध्यक्ष अगर इसे मुगल गार्डन की तर्ज पर ट्यूलिप गार्डन या अन्य आकर्षणों से भर दें, तो शीतकालीन राजधानी में पर्यटन राजधानी की प्रासंगिकता बढ़ जाएगी, लेकिन इस सारे चक्र के बीच खामोशियां आज तक निर्णायक सत्र की बाट जोह रही हैं।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कोई बिना मुख का है, किसी के बहुत से मुख हैं, कोई बिना हाथ-पैर का है तो किसी के कई हाथ-पैर हैं। किसी के बहुत आँखें हैं तो किसी के एक भी आँख नहीं है। कोई बहुत मोटा-ताजा है, तो कोई बहुत ही दुबला-पतला है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**तन कीन कोउ अति पीन पावन कोउ अपावन गति धरें।**
**भूषन कराल कपाल कर सब सद्य सोनित तन भरें॥**
**खर स्वान सुअर सृकाल मुख गन बेष अगनित को गनै।**
**बहु जिनस प्रेत पिसाच जोगि जमात बरनत नहिं बनै॥**

कोई बहुत दुबला, कोई बहुत मोटा, कोई पवित्र और कोई अपवित्र वेष धारण किए हुए है। भयंकर गहने पहने हाथ में कपाल लिए हैं और सब के सब शरीर में ताजा खून लपेटे हुए हैं। गधे, कुत्ते, सूअर और सियार के से उनके मुख हैं। गणों के अनगिनत वेषों को कौन गिने? बहुत प्रकार के प्रेत, पिशाच और योगिनियों की जमाते हैं। उनका वर्णन करते नहीं बनता।

**नाचहिं गावहिं गीत परम तरंगी भूत सब।**
**देखत अति बिपरीत बोलहिं बचन बिचित्र बिधि॥**

भूत-प्रेत नाचते और गाते हैं, वे सब बड़े मौजी हैं। देखने में बहुत ही बेढंगे जान पड़ते हैं और बड़े ही विचित्र ढंग से बोलते हैं॥

**जस दूलहु तसि बनी बराता। कौतुक बिबिध होहिं मग जाता॥**
**इहाँ हिमाचल रचेउ बिताना। अति बिचित्र नहिं जाइ बखाना॥**

जैसा दूल्हा है, अब वैसी ही बारात बन गई है। मार्ग में चलते हुए भाँति-भाँति के कौतुक (तमाशे) होते जाते हैं। इधर हिमाचल ने ऐसा विचित्र मण्डप बनाया कि जिसका वर्णन नहीं हो सकता॥ (क्रमशः..)

# आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है।

भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झ?ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया।

जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है।

पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दर्शाने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए।

सत्ता पक्ष ने इमरजेंसी का पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि भाजपा को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। लेकिन यहां इमरजेंसी जैसी कोई भाजपा की गलती बताने में कांग्रेस नाकाम ही रही। एक और ब?ी विडम्बना यह देखने को मिली कि संविधान निर्माण को किसी दल विशेष की देन कहा गया जबकि संविधान निर्माण में सभी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर विशेषतौर पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया है कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान के निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका रही है जिसे पूरी तरह से नकार दिया गया। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था, बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि संविधान पार्टी विशेष नहीं बल्कि राष्ट्र का है, पार्टी विशेष ने संविधान निर्माण को हाईजैक कर लिया।

निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम-कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा रहा है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान के रूप में मिले सुरक्षा कवच को तोड़ा है। भारत का संविधान, संघ का विधान नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। विपक्ष के इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो देश एवं दुनिया भलीभांति देख रही है। मोदी के शासन में न केवल देश के भीतर शांति एवं अमनचैन बना है बल्कि सीमाओं पर भी सुरक्षा मजबूत हुई है। पडोसी देश भारत की ओर नजर करने का दुस्साहस नहीं कर पा रहे हैं तो इससे अधिक सीमा की सुरक्षा एवं देश की सुरक्षा क्या हो सकती है? उचित होता संविधान पर चर्चा के दौरान बहस के स्तर को ऊंचा उठाते हुए आरोप-प्रत्यारोप से बचते हुए संविधान को प्रभावी तरीके से लागू करने में सहायक बनने वाले बिंदुओं पर सहमति कायम की जाती।

**- ललित गर्ग**
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

# इंडिया गठबंधन की हालत सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लठ जैसी

सूत न कपास, जुलाहों में लठ्ठम लठ। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों की हालत कुछ ऐसी हो गई है। भाजपा गठबंधन से मुकाबला करने में विफल रहे विपक्षी दल के नेता नेतृत्व की कलह से जूझ रहे हैं। भाजपा से बुरी तरह शिकस्त खाने और राजनीतिक धरातल पर हैसीयत को स्वीकार किए बगैर विपक्षी नेता गठबंधन के नेतृत्व के जरिए भविष्य का प्रधानमंत्री बनने का सपना पाले हुए हैं। इन दलों का आधार बेशक एक राज्य से ज्यादा नहीं हो, किन्तु देश को नेतृत्व देने की आपसी होड़ में पीछे नहीं है। विपक्षी दलों के पास भाजपा से मुकाबला करने के लिए कोई एजेंडा तक नहीं है। लोकसभा चुनाव और हाल ही हुए उपचुनावों में इंडिया गठबंधन के दल आपस में ही मुकाबला करते रहे। विपक्षी दलों का ख्वाब है कि जिसके हाथ में नेतृत्व की कमान होगी, उसी के हाथ में देश की बागडोर होगी। ठोस रणनीति के अभाव में यह दिन में ख्वाब देखने जैसा है। इंडिया गठबंधन के दलों में आपस में ही नेतृत्व की होड़ मची हुई है। भाजपा के खिलाफ कोरी बयानबाजी से विपक्षी दलों के नेता बयानवीर साबित हो रहे हैं। लोकसभा और उससे पहले विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। विपक्षी दलों ने चुनाव जीतने के लालच में गठबंधन की धज्जियां उड़ाने में कसर बाकी नहीं रखी। गठबंधन की हालत उसे घोड़ागाड़ी जैसी हो गई जिसके घोड़े को हर घुडसवार अपने हिसाब से हांकना चाहता है। ऐसे में यह गठबंधन देश को नेतृत्व देने के मामले में आगे बढने के बजाए पीछे खिसकता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को चारों खाने चित्त कर दिया।

इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का मसला पहले भी कई बार उठ चुका है। गठबंधन का हर घटक दल नेतृत्व का दावा जताता रहा है। हास्यादपद यह है कि दावा जताने वाले अपने प्रभाव वाले राज्य में भी भाजपा को हराने में कामयाब नहीं हो सके। इस बार नेतृत्व की दुदंभी तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की तरफ से बजाई गई है। ममता बनर्जी ने हालिया चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर की और कहा कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार है। ममता ने हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया है और संकेत दिया कि अगर मौका

मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा। ममता के इस बयान के बाद अन्य विपक्षी दलों के नेताओं की अतृप्त इच्छा में उबाल आ गया। गठबंधन के दल के नेता अब नेतृत्व का दावा ठोक रहे हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि ममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। इस पर चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं, वहीं कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि ममता जी बड़ी नेता हैं लेकिन राहुल गांधी के अलावा देश में कोई नेतृत्व करने की स्थिति में नहीं है।

लेफ्ट नेता डी राजा ने कहा कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। हालात इंडिया ब्लॉक की मीटिंग की मांग करते हैं। कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा-महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि हमें ममता बनर्जी की राय पता है। हम चाहते हैं कि ममता हमारे साथ रहें। हम सभी एक साथ हैं। अगर कोई मतभेद भी हैं तो वो छोटे मोटे हैं। हम कोलकाता जाकर ममता बनर्जी से बात करेंगे। सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा कि अगर ममता जी ने कोई इच्छा जाहिर की है तो इंडिया ब्लॉक नेता उस पर विचार करके उनका सहयोग लें। इससे इंडिया गठबंधन मजबूत होगा। नेतृत्व को लेकर मचे इस घमासान में लालू यादव की पार्टी कैसे पीछे रह सकती है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने भी ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन का नेता बनाने की मांग कर दी। लालू ने कहा कि कांग्रेस की आपत्ति का कोई मतलब नहीं है। हम ममता का समर्थन करेंगे। ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व दिया जाना चाहिए। लालू यादव का यह बयान कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि लालू यादव लंबे समय से कांग्रेस के पुराने साथी रहे हैं। लालू यादव की यह मांग कांग्रेस के लिए मुसीबत बन सकती है। गठबंधन में शामिल कुछ दल पहले से ही ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की कमान सौंपने की वकालत कर चुके हैं। आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बीजेपी के खिलाफ विपक्षी गठबंधन के असली आर्किटेक्ट लालू प्रसाद यादव हैं। उनकी पहल पर ही पटना में इंडिया गठबंधन की पहली बैठक हुई थी। इस बैठक में ममता बनर्जी भी शामिल हुई थी। सभी अपने-अपने राज्यों में बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में जुटे हुए हैं। अभी झारखंड में हमें सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के खिलाफ ममता बनर्जी मजबूती से लड़ाई लड़ती हैं। अब 2025 में बिहार की बारी है। बीजेपी के खिलाफ हमारा गठबंधन पूरी तरह एकजुट है।

गौरतलब है कि इंडिया गठबंधन को नेतृत्व देने की रस्साकसी में जुटे विपक्षी दलों के नेताओं में लोकसभा चुनाव से पूर्व हुई बैठकों में घोषणा पत्र को लेकर एकराय कायम नहीं हो सकी। घटक दल चुनावों में सीटों के वितरण को लेकर भी मतभेद का शिकार रहे। इनकी आपसी फूट का फायदा भाजपा को मिला। भाजपा गठबंधन तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने में कामयाब रहा। ममता बनर्जी का यह कहना कि वे बंगाल से बाहर नहीं जा सकती, ऐसे में चुनाव के दौरान देशभर में रैलियां और सभाओं की जिम्मेदारी कैसे निभा पाएंगी। यदि गठबंधन के दल ममता को नेता मान भी लें तो फिर वही यक्ष प्रश्न सीटों के बटवारे और राष्ट्रीय स्तर पर घोषणा पत्र को लेकर फिर से खड़ा होगा।भाजपा विपक्षी गठबंधन पर मुस्लिम प्रेम और भ्रष्टाचार को लेकर हावी रही है। काफी हद तक भाजपा के लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव में सफलता पाने की भी यही प्रमुख वजह मानी जाती है। इसके विपरीत इंडिया गठबंधन के सदस्य इन दोनों मुद्दों पर या तो खामोश रहे या फिर बंटे हुए नजर आए।

आश्चर्य यह है कि विपक्षी दलों ने लोकसभा और कुछ राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और उप चुनावों के नतीजों से भी कोई सबक नहीं सीखा। गठबंधन के अनुभवी और दिग्गज नेता देश के मतदाताओं का मूड भांपने में नाकामयाब रहे हैं। इसके बावजूद नेतृत्व को लेकर जंग मची हुई। यह निश्चित है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व चाहे किसी भी दल के नेता हो, जब तक गठबंधन की नीतियां स्पष्ट और दूरगामी नहीं होंगी, तब तक राष्ट्रीय स्तर पर देश के मतदाताओं का विश्वास जीतना आसान नहीं होगा। **- योगेंद्र योगी**

## राशिफल

**पौष कृष्ण पक्ष पंचमी** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
भावुकता बनी रहेगी, बस महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक कर रखें। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार सही है।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
धन का आगमन होगा। अपनों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य ठीक ठाक। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा है।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जिस चीज की जरूरत है, उसकी उपलब्धता होगी। स्वास्थ्य अच्छा।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
मन अप्रसन्न रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा सा मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। गृह कलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
आमदनी के नए सोर्स बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। धन-धान्य से परिपूर्ण रहेंगे।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
कोर्ट-कचहरी में विजयी बनेंगे। राजनीतिक लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)**
भाग्य साथ देगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार अच्छा।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)**
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा है।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्य विघ्न-बाधा के साथ संपन्न होंगे। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान मध्यम है।

# विधायक तेजपाल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** दादरी विधानसभा के महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर विधायक तेजपाल नागर ने कल महत्वपूर्ण विकासात्मक एवं जनहित के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दादरी विधानसभा से जुड़े विभिन्न

**शाहबेरी में जल निकासी की समस्या :** क्षेत्र में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया गया।

**कुलसेरा और हैबतपुर में बिजली की समस्या :** इन क्षेत्रों में बिजली मीटर और अस्थाई कनेक्शन की समस्याओं को प्राथमिकता से मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखा गया।

**सिकंद्राबाद औद्योगिक क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण :** औद्योगिक क्षेत्र के विभिन्न मार्गों के चौड़ीकरण की आवश्यकता पर चर्चा की गई, जिससे क्षेत्र के उद्योगों और निवासियों को सुगम यातायात एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। गौतमबुद्धनगर क्षेत्र के धरनारत किसानों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को उनके समक्ष रखा। दादरी विधायक श्री नागर ने किसानों को आ रही समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री से विशेष अनुरोध किया। कृषि हमारे देश की रीढ़ है और किसानों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है। हम सभी किसानों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया और क्षेत्र के विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

दादरी विधायक ने कहा हम दादरी क्षेत्र की जनता के हितों के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और विकास के लिए हरसंभव कदम उठाते रहेंगे।

दनकौर कस्बे में मारुति नेक्सा शोरूम का उद्घाटन करते रबूपुरा के चैयरमेन शशांक सिंह। साथ में हैं किसान नेता नीरज नवादा।

## हिन्दुत्व से आर्यत्व की ओर विषय पर गोष्ठी संपन्न

# आर्य लिखने में गर्व करें : अतुल सहगल

**गाजियाबाद (चेतना मंच)।** केंद्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'हिंदुत्व से

आर्यत्व की ओर' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 684वाँ वेबिनार था।

वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा है कि वर्तमान के समय में हिन्दू और हिंदुत्व विषय बहुत चर्चा में रहते हैं। उन्होंने हिन्दू और हिंदुत्व की परिभाषा प्रस्तुत की और हिन्दू शब्द का मूल सामने रखा। हिन्दू शब्द तो फारसी भाषा से आया है और इसका उस भाषा में बड़ा अपमानजनक अर्थ है। अनपढ़ ,उजड्ड, संस्कृति विहीन या असभ्य। क्या ऐसे शब्द का उपयोग करना किसी भी अवस्था में उचित ठहरता है? स्वामी दयानन्द ने अपने लेखों व भाषणों में कभी हिन्दू शब्द का प्रयोग नहीं किया। वे सदा आर्य शब्द का ही प्रयोग करते थे और आर्य का अर्थ है। सुसंस्कृत, शिक्षित,धार्मिक। भारत देश को उन्होंने आर्यावर्त्त कहकर सम्बोधित किया।

हिंदुत्व से आर्यत्व की यात्रा आरम्भ हो चुकी है और इस यात्रा को प्रारम्भ करने वाले और कोई नहीं ऋषि दयानन्द ही थे। हम लोगों को अपनी बुद्धि का विकास करना होगा।प्रज्ञा बुद्धि को प्राप्त होकर हम सत्य और तथ्यों को सहजता से ग्रहण कर पाएंगे।धर्माचरण और योगाभ्यास के द्वारा हम अपनी सर्वांगीण उन्नति करें। व्यक्तिगत उन्नति का अर्थ है सामाजिक और राष्ट्रीय उन्नति। सब प्रकार का ज्ञान होते हुए भी हम लोग सत्य से भटक गए थे। अब हम जिस यात्रा में हैं,उसमें हमें अपनी गति बढ़ानी होगी। हमारे राष्ट्र के पिछड़ने और पतन का कारण भी वेदमार्ग से भटकना था।स्वामी दयानन्द के मार्गदर्शक उदघोष के अनुसार हमें वेदों को अपने जीवन का आधार बना लेना चाहिए और फिर सत्य के ग्रहण करने व असत्य के छोड़ने में उद्यत हो जाना चाहिए।बुद्धि का विकास करके हम अपना विवेक बढ़ाएं और स्वयं को उन्नत करते हुए समाज और राष्ट्र के उत्थान का कारक बनें। आज हमारा राष्ट्र हमसे यही अपेक्षा रखता है।हम पुरुषार्थ से अपनी इस हिंदुत्व से आर्यत्व की यात्रा को गति देते हुए अपने गन्तव्य पर पंहुचें। आर्यावर्त्त को परम वैभव तक ले के जाएँ और स्वयं समुत्कर्ष और निश्रेय्यस दोनों को प्राप्त हों।

मुख्य अतिथि आर्य नेता कृष्ण कुमार यादव ने भी जीवन निर्माण के सूत्र बताये।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया।प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यावाद ज्ञापन किया।

गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, संतोष धर, सुधीर बंसल, उषा सूद, शोभा बत्रा, कृष्णा पाहुजा आदि के मधुर भजन हुए।

# एटीएम ऑपरेटरों पर गबन का आरोप

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** बैंकों के एटीएम में पैसा डालने वाली कंपनी के एटीएम ऑपरेटरों ने 138500 रुपए का गबन कर लिया। कंपनी की प्रबंधक विधिक जांच और सुरक्षा अधिकारी ने थाना बिसरख में दो एटीएम ऑपरेटरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

एचसीएमएसपीएल की गुड़गांव शाखा की प्रबंधक विधिक जांच और सुरक्षा अधिकारी महक गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी एक नकद पुन: पूर्ति एजेंसी है जो बैंकों के एटीएम में नकदी की आपूर्ति सेवाएं प्रदान करती हैं। बैंकों के एटीएम में कैश की आपूर्ति करने के लिए कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंप गई है। उन्होंने बताया कि 27 सितंबर 2024 को उन्होंने एटीएम ऑपरेटर प्रदीप कुमार और विजय को रूपयों की राशि के साथ कैश लोडेड कैसट जारी किए थे। 19 सितंबर को बैंक से प्राप्त इंडेंट के अनुसार अगली लोडिंग की गई बाद में हिसाब लगाने पर पता चला कि 138500 कम है।

उन्होंने बताया कि एटीएम का वार्ड पासवर्ड सुरक्षित मिला इसे केवल एटमॉस द्वारा संचालित और खोला जा सकता है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि कैश निकालने में गबन करने का काम एटीएम ऑपरेटरों द्वारा किया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मोहित और विजय के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

# फॉर्महाउस के केयरटेकर के साथ मारपीट

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना ईकोटेक-1 क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर में स्थित एक फार्म हाउस के केयरटेकर के साथ कार सवार लोगों ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने केयरटेकर को जान से मारने की धमकी दी और फायरिंग कर फरार हो गए। ग्राम आजमपुर घड़ी निवासी सुनील भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका ग्राम मोतीपुर में सैनिक फार्म हाउस है यहां पर दीपक नाम का युवक केयरटेकर के रूप में कार्यरत है 18 दिसंबर की रात्रि को एक कार में चार लोग उसके फार्म हाउस पर पहुंचे। कार सवार बदमाशों ने केयरटेकर दीपक के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इसके बाद बदमाश फायरिंग कर मौके से फरार हो गए। बदमाशों के जाने के बाद दीपक ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद से केयरटेकर दीपक दहशत में है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

# रास्ते में खड़े युवकों ने तोड़ दी कार चालक की टांग, की फायरिंग

**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।** थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम औरंगपुर में रास्ते के बीच में खड़े युवकों को हटने के लिए कहना कार चालक को खासा महंगा पड़ा। रास्ते में खड़े युवकों ने कार चालक व उसके परिजनों के साथ मारपीट की। आरोप है कि एक युवक ने जान से मारने की नीयत से पिस्टल से कई फायर भी किये। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ थाना दनकौर में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम औरंगपुर निवासी राजू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 15 दिसंबर की शाम को वह कार से अपनी भतीजी, भाभी व अपने पुत्र को डॉक्टर को दिखाने के लिए अस्पताल ले जा रहा था। रास्ते में गांव के ही नकुल, निरंजन पुत्र लक्ष्मण तथा उनके कई अन्य साथी खड़े हुए थे। कई बार हॉर्न देने के बाद भी जब यह युवक रास्ते से नहीं हटे तो उसने उन्हें रास्ते से हटने को कहा। इस पर युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर नकुल निरंजन व उसके साथियों ने लाठी डंडों तथा अवैध हथियारों से उन पर हमला बोल दिया। पीड़ित का आरोप है कि नकुल ने पिस्तौल से कई फायर किए। आरोपियों ने उसे लाठी डंडों से पीट कर अधमरा कर दिया और उसके 13 वर्षीय पुत्र हितेश की टांग भी तोड़ दी। राजू का आरोप है कि उसकी आठ माह की गर्भवती भतीजी तनु व उसकी भाभी को भी मारपीट के दौरान गंभीर चोटे आई हैं।

शोर शराबा सुनकर आस पड़ोस के लोग इकट्ठे हो गए और उन्होंने आरोपियों से उनकी जान बचाई। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। राजू ने पुलिस को बताया कि नकुल आदि गुंडा किस्म के व्यक्ति हैं और अवैध असलहा रखते हैं। आरोपियों के खिलाफ थाने में कई मुकदमे पंजीकृत है और वह पूर्व में भी जेल जा चुके हैं। राजू ने आरोपियों से अपने जान माल के खतरे की भी आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि नकुल निरंजन व उनके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

## पृष्ठ एक के शेष....

**हंगामे, धक्का-मुक्की...**

आज बीजेपी और विपक्ष दोनों ने प्रदर्शन किया। बीजेपी सांसदों का ग्रुप महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया तो वहीं, विपक्षी सांसद विजय चौक से संसद तक मार्च कर रहे हैं।

गुरुवार को धक्का-मुक्की कांड के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बीजेपी ने FIR दर्ज करवाई थी। अब जानकारी सामने आ रही है कि राहुल के खिलाफ दर्ज हुआ यह मामला जांच के लिए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों की मीटिंग होगी, जिसके बाद इस पर फैसला लिया जाएगा कि केस का आगे क्या करना है। पुलिस ने गुरुवार, रात 9 बज कर 22 मिनट पर FIR दर्ज की थी।

बता दें कि इससे पहले संसद परिसर में कलर कैनिस्टर वाले मामले की जांच लोकल पुलिस से लेकर स्पेशल सेल को दी गई थी।

**डीएनडी पर टोल वसूलने...**

से रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनी की याचिका खारिज करते हुए कहा कि निजी कंपनी एनटीबीसीएल को दिल्ली-नोएडा डीएनडी फ्लाईवे पर चलने वाले वाहनों से टोल वसूलने का ठेका देना पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने निजी फर्म को टोल वसूलने का ठेका देने के लिए नोएडा प्राधिकरण को भी फटकार लगाई और कहा कि इससे अनुचित लाभ हुआ।

बता दें कि फैडरेशन ऑफ नोएडा रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के पूर्व अध्यक्ष एन.पी. सिंह ने दिल्ली नोएडा- दिल्ली टोलब्रिज की संचालन कंपनी नोएडा टोल ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनबीटीसीएल) द्वारा टोल वसूलने के खिलाफ वर्ष-2012 में इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने 2012 से 2016 तक इस मामले की मुस्तैदी से पैरवी की थी। जिसका परिणाम यह रहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2016 में निर्णय सुनाया तथा तुरंत प्रभाव से टोल टैक्स वसूलने पर रोक ला दी थी। इससे लाखों वाहन चालकों को काफी राहत मिली।

एनबीटीसीएल ने हाईकोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर फैसले पर रोक लगाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्य कांत तथा न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां की डबल बेंच ने एनबीटीसीएल की अपील को खारिज करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय को बरकरार रखा। इस फैसले के बाद एनपी सिंह था फोनरवा के पूर्व पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण द्वारा एनबीटीसीएल के साथ किये गये अनुबंध को भी अवैध ठहराते हुए कहा कि इस मामले में नोएडा प्राधिकरण को हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं था।

इस कानूनी लड़ाई में एनपी सिंह के साथ फोनरवा के तत्कालीन महासचिव एएन धवन, सुशील अग्रवाल, के.के.जैन, स्व. सुरेश कृष्णन, स्व. राजेन्द्र शुक्ला, स्व. सुरेश तिवारी का भी खासा योगदान रहा था। सभी सभी ने मिलकर डीएनडी के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ी थी।

इस मौके पर एनपी सिंह ने मामले की पैरवी कर रही वरिष्ठ अधिवक्ता तथा फोनरवा की पूर्व लीगल एडवाइजर श्रीमती अनीता पांडे, अधिवक्ता उमंग कुमार सिंह तथा हाईकोर्ट की पैरवी करने वाले पूर्व अधिवक्ता रंजी सचान को भी बधाई दी तथा आभार जताया।

**महिला के ऊपर से...**

हादसे के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालकों की तलाश कर रही है।

**नोएडा के डीपीएस व लोट्स...**

जरिए धमकी दी गई। छावला के सेंट थॉमस, सरिता विहार के जीडी गोयनका, बाबा हरिदास नगर के एवरग्रीन पब्लिक स्कूल और द्वारका के सचदेवा ग्लोबल स्कूल को भी धमकी मिली है।

दिल्ली-एनसीआर के कई स्कूलों को धमकी भरे ईमेल मिले हैं, जिनमें स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। बताया जा रहा है कि दिल्ली-एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों में बम की धमकी मिली है। जिसमें डीपीएस, एमिटी, मदर मैरी स्कूल समेत कई बड़े स्कूल शामिल हैं। बम की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के साथ ही बम निरोधक दस्ता और अग्निशमन विभाग का दस्ता भी मौके पर पहुंचा। स्कूलों में तलाशी अभियान चलाया गया। बताया जा रहा है कि अभी तक कुछ नहीं मिला है। दमकल विभाग ने बताया कि अब तक दिल्ली फायर सर्विस को स्कूलों में बम की धमकी के संबंध में 97 से अधिक कॉल प्राप्त हुई हैं। वहीं, जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ये ईमेल कहां से भेजे गए हैं। प्राथमिक जांच में जानकारी सामने आई है कि धमकी का ईमेल रूस से आया है।

**जयपुर में मौत का...**

जिसमें घायलों में गोविंद नारायण (33), संदीप (30), बनवारी लाल (32), शाहिद (34), अशोक पारीक (35), वंजीता (23), राधेश्याम चौधरी (32), लाला राम (28), सहाबुद्दीन (35), नरेश (36), अमर (42), हरलाल (29), शिवा (32), राजू राज (40), गीता (23), शैलेन्द्र (35), लोकेश कुमार (18), शबनम (24), फिजन (20), राजू लाल जाट (34), बबलू गुर्जर (21), कपिल (24), सुरेन्द्र (50), महेन्द्र (42), सुनील (20), अशोक (35), जगदीश रैगर (30), सौमराज मीना (28), युसूफ (45), लीला (45), लक्ष्मण (37), विजेन्द्र (36) और निर्मला (68) शामिल हैं।

**चोरी की बाइक व...**

के संडे मार्केट से चोरी की थ। आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की एक बाइक और एक स्कूटी भी बरामद की। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अलग-अलग स्थानों से यह वाहन चोरी किए थे और इन्हें सुनसान जगह पर छुपा दिया था।पकड़े गए आरोपियों ने वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

वहीं थाना फेस-3 पुलिस ने सेक्टर-71 के पास चैकिंग के दौरान बाइक सवार दो युवकों को रोका पुलिस को देखकर एक बदमाश भाग निकला। जबकि दूसरे को पुलिस ने दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से चाकू बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सचिन कुमार पुत्र बबलू तथा अपने फरार साथी का नाम आकाश बताया। सचिन ने स्वीकार किया कि उसे बरामद बाइक चोरी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुदक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

## खास खबर

### दो बड़े सड़क हादसों में 52 लोगों की मौत

**काबुल ।** अफगानिस्तान के काबुल-कंधार हाईवे पर दो बड़े सड़क हादसों में करीब 52 लोगों की मौत हुई है, जबकि 65 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसे गजनी प्रांत के अलग-अलग इलाकों में हुए। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि की है। पहली दुर्घटना गजनी प्रांत के शाहबाज गांव के पास हुई। एक यात्री बस ईंधन से भरे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 20 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से झुलस गए। दूसरी घटना अंदार जिले में हुई, जहां एक बस एक बड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में भी कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हो गए। हादसों के तुरंत बाद राहत और बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अफगानिस्तान में काबुल-कंधार हाईवे पर इस तरह के हादसे अक्सर होते हैं। खराब सड़कें, ट्रैफिक नियमों का पालन न करना और ओवरलोड वाहन इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण माने जाते हैं। खासकर, ईंधन से भरे टैंकरों की मौजूदगी हादसों की गंभीरता को और बढ़ा देती है।

### 21000 रुपए में बिका मुर्गी का अंडा

**लंदन ।** ब्रिटेन के एक चेरिटी शो में मुर्गी के एक अंडे की नीलामी 21000 रुपए में हुई। यह अंडा बिल्कुल गोल था, देखने में बहुत सुंदर था। वैज्ञानिकों के अनुसार 100 करोड़ अंडों में इस तरह का एक अंडा देखने को मिलता है। युवा मानसिक रोगियों के लिए काम करने वाली एक चैरिटी संस्था ने यह आयोजन किया था। शो के लिए यह अंडा वर्कशयर के लेमब्बार्न में रहने वाले एक युवा ने दिया था।

### यमन की राजधानी सना पर हवाई हमले

**सना।** यमन की राजधानी सना पर गुरुवार सुबह कई हवाई हमले हुए, जो हूती विद्रोहियों के गढ़ पर केंद्रित थे। यह हमले उस समय हुए जब हूती विद्रोहियों ने मध्य इजराइल को निशाना बनाते हुए एक मिसाइल दागी थी।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सना पर हवाई हमले किसने किए। हूती नियंत्रित मीडिया ने हमलों की पुष्टि की लेकिन हताहतों और हुए नुकसान के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। राजधानी सना पर पिछले एक दशक से अधिक समय से हूती विद्रोहियों का कब्जा है।
इससे पहले, इजराइली सेना ने दावा किया कि उसकी वायु सेना ने यमन से प्रक्षेपित एक मिसाइल को देश की सीमा में प्रवेश करने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। सेना के मुताबिक, मिसाइल का मलबा गिरने से क्षेत्र में सायरन बजाए गए।यमन में हूती विद्रोही लंबे समय से सऊदी अरब और अन्य क्षेत्रीय ताकतों के साथ संघर्षरत हैं। हालिया घटनाओं ने इस संघर्ष को और भी जटिल बना दिया है, क्योंकि अब इसमें इजराइल भी शामिल होता दिख रहा है। यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है जब मध्य पूर्व में तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती पेश कर सकती है।

# अगले 5 से 7 दिनों में कड़ाके की ठंड और भारी बारिश का खतरा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच से सात दिनों के लिए शीतलहर और भारी बारिश को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में अलर्ट जारी किया है। उत्तर-पश्चिम भारत में ठंड का असर तेज होने की संभावना है, जबकि दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

उत्तर भारत में शीतलहर का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने आगाह किया है कि दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश और पंजाब समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड रहेगी। दिल्ली-एनसीआर में 19 दिसंबर की सुबह घना कोहरा छा सकता है। दिन में हल्की धुंध और कोहरे का प्रभाव रहेगा। दिन का तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना। पंजाब, हिमाचल और राजस्थान की बात करें तो यहां पर 19 से 22 दिसंबर के बीच ठंड और बढ़ेगी। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार। दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में भारी बारिश की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के लिए ऑरेंज अलर्ट।रायलसीमा के लिए येलो अलर्ट। भारतीय मौसम विभाग ने सलाह देते हुए कहा है कि उत्तर भारत में शीतलहर के दौरान गर्म कपड़े पहनें और ठंड से बचाव के उपाय करें।

## एनआईए ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तीन अलग-अलग जगहों पर की छापेमारी

एजेंसी

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में तीन अलग-अलग जगहों पर गुरुवार सुबह एनआईए ने छापेमारी की। बताया जा रहा है कि एनआईए को सूचना मिली थी कि कुछ लोगों का नक्सलियों से संबंध है। एनआईए की टीम आज सुबह साढ़े 5 बजे जिले के भैरमगढ़, आवापल्ली और तर्रेम पहुंचकर कुछ लोगों के घरों में छापा मारा है, उनसे पूछताछ किया जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। इससे पहले एनआईए की टीम ने नक्सल मामले में ही बीजापुर जिले से नक्सलियों के शहरी नेटवर्क को पकड़ा था। उनसे पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। संभवत : उसी के आधार पर आज छापा मारा गया है। यह माना जा रहा है कि कार्रवाई केंद्र सरकार के नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए तय की गई समय सीमा मार्च 2026 का हिस्सा है।उल्लेखनीय है कि एनआईए की टीम ने सप्ताहभर पहले सुकमा जिले में भी छापा मारा था। इसके अलावा सुकमा से लगे पड़ोसी राज्य ओडिशा के मलकानगिरि में भी छापेमार कार्रवाई की गई थी। वहीं नक्सल मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

## मोबाइल को क्लोन कर बैंक अकाउंट में सेंधमारी कर रहे साइबर अपराधी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश में साइबर ठगी के मामले बढ़ गए हैं। बिहार में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़ गए हैं। पटना में साइबर क्राइम से जुड़े रोजाना करीब 20 से 25 मामले सामने आते हैं। इन मामलों में केस भी दर्ज होता है। अब मोबाइल चोरी को एक सामान्य चोरी समझना आपको नुकसान पहुंच सकती है। पिछले तीन महीने में पटना में 40 इसतरह के सामने आए हैं। जिसमें मोबाइल चोरी के बाद पीड़ित के बैंक अकाउंट में सेंधमारी की गई है। पटना साइबर थाना के थानाध्यक्ष राघवेंद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि इन दिनों मोबाइल चोरी को सिर्फ चोरी समझना भारी पड़ सकता है। मोबाइल चोरी के चंद मिनटों में आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। मोबाइल हाथ लगते ही शातिर सबसे पहले पासवर्ड बदलाता है। पेटीएम या फोन पे को क्लोन कर आपके मोबाइल का एप अपने फोन पर ट्रांसफर कर देता है। आपके मोबाइल में आधार अनेबल पेमेंट सिस्टम डाउनलोड अकाउंट खाली कर देता है। त्रिपाठी ने बताया कि अनावश्यक और संदिग्ध एप अपने मोबाइल में न रखें। कोई भी एप प्ले स्टोर से ही डाउनलोड करें। पासवर्ड बहुत ही तगड़ा रखें। डबल लॉक सिस्टम रखने की आदत डालें। पैसे के लेन-देन वाले एप या बैंक एप का खास ध्यान रखें। ट्रांजेक्शन के समय अलर्ट रहें कि कोई आपके भुगतान को देख तब नहीं रहा है। आसापस लगे सीसीटीवी से भी बचें। मोबाइल से लिंक खाते में सिर्फ पॉकेट खर्च तक ही पैसा रखें। साइबर अपराधी आपको लिंक भेजकर शिकार बना सकते हैं। शातिर आपके मोबाइल में क्लोनिंग एप भेजता है, जो ऑटोमेटिक डाउनलोड हो जाता है। एप डाउनलोड होते ही शातिर शातिर आपके मोबाइल को क्लोन कर यूपीआई से आधार इनेबल कर देता है। साइबर थानाध्यक्ष ने कहा कि पहले इस तरह के मामले कम थे। धीरे-धीरे साइबर ठगी का मामला बढ़ रहा है। लोग जागरूक भी नहीं हैं। हर जिले में इसके लिए अलग से व्यवस्था की गई है। जिससे केस दर्ज होने की संख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। 2019 में बिहार में ठगी के 150 मामले दर्ज किए गए थे। इस साल अक्टूबर तक करीब 7000 मामले दर्ज किए गए हैं।

### परेश की मौत की सजा उम्रकैद में बदली

**ढाका।** बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिक सरकार का भारत-विरोधी रुख लगातार सामने आ रहा है। वहां की हाईकोर्ट ने भारत के कुख्यात चरमपंथी और उल्फा नेता परेश बरुआ की मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने का फैसला सुनाया है। यह मामला 2004 में पूर्वोत्तर भारत में अलगाववादी संगठनों के लिए हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी से जुड़ा है। इस तस्करी में सुरक्षा बलों ने 10 ट्रकों में भेजे जा रहे हथियार जब्त किए थे, जिनमें 27 हजार से ज्यादा ग्रेनेड, 150 रॉकेट लॉन्चर, 11 लाख से ज्यादा गोला-बारूद, 1100 सब-मशीन गन और 1.14 करोड़ कारतूस शामिल थे। हाईकोर्ट ने परेश बरुआ की मौत की सजा को कम करके आजीवन कारावास में बदल दिया है।

## शाह की टिप्पणी आंबेडकर की गरिमा पर आघात : मायावती

एजेंसी

**लखनऊ।** संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने इसे बाबा साहेब की गरिमा पर आघात बताते हुए अमित शाह से अपने बयान को वापस लेने की मांग की है। मायावती ने कहा, कि अमित शाह की टिप्पणी से बाबा साहेब आंबेडकर के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्हें तुरंत अपनी टिप्पणी वापस लेनी चाहिए। बाबा साहेब के प्रति भाजपा की इस तरह की सोच को देश के लोग कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा की ऐसी कोई भी राजनीतिक चाल सफल नहीं होगी। बसपा प्रमुख मायावती ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा, कि कांग्रेस ने भी हमेशा डॉ. आंबेडकर का विरोध किया है। बाबा साहेब ने खुद दलितों को कांग्रेस से दूर रहने की सलाह दी थी। यहां बताते चलें कि इस बयान से पहले मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए कहा था, कि दलितों और अन्य वंचित वर्गों के लिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर भगवान के समान हैं।

## ट्रंप ने फिर दिया कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव, ट्रूडो हुए परेशान

एजेंसी

**वॉशिंगटन।** कनाडा में इस समय राजनीतिक उठापटक चल रही है और पीएम ट्रूडो की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक तरफ भारत-कनाडा के बीच कई समस्याएं खड़ी हुई हैं। वहीं, अब अमेरिका भी उसकी परीक्षा ले रहा है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर टैक्स बढ़ाने की बात की थी। अब ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल मीडिया पर पोस्ट में इसकी जानकारी दी। ट्रंप ने आगे लिखा कि बहुत से कनाडाई भी इस कदम का स्वागत कर रहे हैं। इस हफ्ते एक लेगर जनमत सर्वेक्षण हुआ। इसमें पाया कि 13 फीसदी कनाडाई अपने दक्षिणी पड़ोसी के साथ जुड़ने का समर्थन करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस सर्वे के आधार पर कनाडा को 51वां राज्य बनाने की बात की है। ट्रंप ने तंज भरे अंदाज में लिखा कि कनाडा राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में यहां के लोगों के लिए यह प्रस्ताव अच्छा है। उन्होंने लिखा कि अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनता है तो टैक्स और सैन्य सुरक्षा पर उसकी बड़ी बचत हो जाएगी। बता दें कि ट्रंप लगातार सोशल मीडिया पोस्ट्स में ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर बताते रहे हैं।

### मलयालम अभिनेत्री मीना गणेश का निधन

**मुंबई ।** साउथ फिल्म इंडस्ट्री से एक दुखद खबर आई है। खबर है कि दिग्गज मलयालम अभिनेत्री मीना गणेश का निधन हो गया है। उन्होंने निजी हॉस्पिटल में गुरुवार को 81 की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन से पूरी इंडस्ट्री शोक में है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मीना गणेश ने साल 1977 की फिल्म मणि मुझक्कम से अभियन की शुरूआत की थी। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले मीना एक प्रमुख थिएटर आर्टिस्ट थीं। मीना गणेश ने करीब 105 फिल्मों में अभियान किया है, इसमें ज्यादातर में उन्होंने सपोर्टिंग रोल्स निभाए।

## पुलिस बर्बरता के चलते प्रभात पांडेय के मौत के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ न्याय की लड़ाई कांग्रेसी लड़ेंगे : अविनाश पाण्डेय

**एक तरफ प्रभात पांडेय का अंतिम संस्कार हो रहा था दूसरी ओर भाजपाई नारेबाजी कर मानवता को तार तार कर रहे थे : अजय राय**

एजेंसी

**लखनऊ।** स्व. प्रभात पाण्डेय जिनकी कल विधानसभा घेराव के दौरान पुलिसिया बर्बरता के कारण मौत हो गई है, उनकी अंतेयष्टी संस्कार में गोरखपुर उनके पैतृक गांव जा रहे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय को बस्ती टोल से ही पुलिस की नाकाबंदी लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया।श्री राय ने कहा कि निंलज्ज, बेशर्म और संवेदनहीन योगी सरकार हमेशा से ही अपनी खामियों का ठिकरा लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या कर दूसरों पर फोड़ने का काम करती है। स्व0 प्रभात पाण्डेय युवा कांग्रेस के पूर्व सचिव और हमारे साथी थे, उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने से रोकना बहुत ही संवेदनहीन कदम है।
श्री राय ने कहा कि तानाशाही और निरंकुशता पर उतरी योगी सरकार ने राजनैतिक मतभेदों को मनभेद में बदल दिया है और विपक्षी दलों के नेताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। यह लोकतंत्र की हत्या है और राजनैतिक मूल्यों का हनन है। गोरखपुर तक की यात्रा के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा कई जगहों पर बाधा उत्पन्न करने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय प्रभात पाण्डेय के पैतृक आवास पहुंचकर उनकी अंतेष्टी में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। दुर्भाग्य देखिए कि एक तरफ जहां स्व. प्रभात पाण्डेय का अंतिम संस्कार किया जा रहा था वहीं दूसरी तरफ भाजपा के लोग नारे बाजी कर इंसानियत को शर्मसार कर रहे थे।
प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यह भाजपाईयों के चारित्रिक एवं नैतिक पतन की पराकाष्ठा है।इसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। प्रभात पाण्डेय के निधन पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें सैकडों की संख्या में उपस्थित कांग्रेसजनों ने अपने साथी प्रभात पाण्डेय की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय, राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी सत्यनारायण पटेल, तौकीर आलम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, प्रभारी युवा कांग्रेस कृष्णा अल्लावारू, उत्तर प्रदेश कमेटी के पूर्व अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, विधायक वीरेंद्र चौधरी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश विनीत कम्बोज, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला, पूर्व एमएलसी दीपक सिंह, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव, अरशद खुर्शीद, उत्तर प्रदेश मध्य के कार्यकारी अध्यक्ष अंकित तिवारी आदि ने स्व. प्रभात पाण्डेय को श्रद्धासुमन अर्पित किया।
स्व. प्रभात पाण्डेय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के उपरांत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय ने कहा कि कल के संघर्ष के दौरान पुलिसिया बर्बरता के चलते हमारे परिवार के सदस्य की मौत हो गई जिस कारण पूर प्रदेश भर के कांग्रेसजनों में मायूसी है। श्री पाण्डेय ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार स्व. प्रभात पाण्डेय जी के परिजनों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि स्व. प्रभात पाण्डेय को न्याय दिलाने के लिए अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगी। श्री पाण्डेय ने पूरे प्रदेश भर के कांग्रेस कार्यकताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि कल अपने-अपने जनपद मुख्यालयों पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करेंगे तथा शाम को किसी शहीद स्थल पर साथियों सहित मोमबत्ती जलाकर स्व. प्रभात पाण्डेय जी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करेंगे।

## रहस्यमयी बीमारी से अब तक 8 मौतें

एजेंसी

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक अज्ञात बीमारी से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। बुधवार को एक अस्पताल में रहस्यमय बीमारी से एक और बच्चे की मौत हो गई, जिसके बाद प्रभावित गांव में मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है। अधिकारियों के मुताबिक जांच में तेजी लाने और बीमारी की पहचान करने के लिए राजौरी में एक बायोसेफ्टी लेवल 3 मोबाइल प्रयोगशाला भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया कि मोहम्मद रफीक के 12 साल के बेटे अशफाक अहमद की छह दिनों तक जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती रहने के बाद मौत हो गई। उसे पहले इलाज के लिए चंडीगढ़ रेफर किया गया था, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। अशफाक के छोटे भाई-बहन 7 साल के इशितयाक और 5 साल की नाजिया की पिछले गुरुवार को मौत हो गई थी। अशफाक की मौत के साथ ही कोटरंका तहसील के बदहाल गांव में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। सभी मृतक एक ही गांव के दो परिवारों के थे। राजौरी के उपायुक्त ने बदहाल गांव में जमीनी हालात का आकलन करने के लिए सोमवार को कोटरंका का दौरा किया, जहां 14 साल से कम उम्र के छह बच्चों सहित सात लोगों की अज्ञात बीमारी के कारण मौत हो गई।

# कच्चे दूध में पांच दिनों तक जीवित रह सकते हैं इन्फ्लूएंजा वायरस

एजेंसी

**न्यूयॉर्क ।** इन्फ्लूएंजा वायरस, विशेषकर फ्लू वायरस, रेफ्रिजरेटर में रखे कच्चे दूध में पांच दिनों तक जीवित रह सकते हैं। यह दावा किया है स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने।
स्टैनफोर्ड डोएर स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी की वरिष्ठ लेखिका एलेक्जेंड्रिया बोहम के अनुसार, यह अध्ययन कच्चे दूध के सेवन से एवियन इन्फ्लूएंजा के जोखिम को और पाश्चराइजेशन के महत्व को उजागर करता है। कच्चे दूध के समर्थकों का कहना है कि यह पाश्चराइज्ड दूध से अधिक लाभकारी होता है क्योंकि इसमें अधिक पोषक तत्व, एंजाइम और प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो प्रतिरक्षा और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। हालांकि, यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने कच्चे दूध से संबंधित 200 से अधिक बीमारियों की चेतावनी दी है, जिसमें ई. कोली और साल्मोनेला जैसे खतरनाक कीटाणु शामिल हैं, जो बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं। इस अध्ययन में पाया गया कि कच्चे गाय के दूध में मानव इन्फ्लूएंजा वायरस का एक प्रकार सामान्य रेफ्रिजरेशन तापमान पर पांच दिनों तक जीवित रहा और संक्रामक भी बना रहा। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक मेंगयांग झांग ने बताया कि यह इन्फ्लूएंजा वायरस कच्चे दूध के संपर्क में आने वाली सतहों और पर्यावरणीय सामग्रियों को भी दूषित कर सकता है, जिससे जानवरों और मनुष्यों के लिए जोखिम पैदा हो सकता है। विशेष रूप से, शोधकताओं ने पाया कि फ्लू वायरस का आरएनए अणु, जो आनुवंशिक जानकारी रखते हैं, कच्चे दूध में कम से कम 57 दिनों तक मौजूद रहा।
हालांकि, पाश्चराइजेशन प्रक्रिया ने दूध में संक्रामक इन्फ्लूएंजा वायरस को पूरी तरह नष्ट कर दिया, और वायरल आरएनए की मात्रा को लगभग 90 प्रतिशत तक कम कर दिया। इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि कच्चे दूध और इसके संपर्क में आने वाली वस्तुओं से वायरस के फैलने का खतरा है, खासकर जब बर्ड फ्लू मवेशियों के बीच फैल रहा है। यह नया अध्ययन उस समय सामने आया है जब डेयरी मवेशियों में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने महामारी के खतरे को बढ़ा दिया है।

## मैजिकविन गैम्बलिंग में फंसी मल्लिका और पूजा, ईडी ने भेजा समन

एजेंसी

**मुंबई।** फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आईं एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत अब एक नए विवाद में घिर गई हैं। यह विवाद मैजिकविन गैम्बलिंग ऐप से जुड़ा है, जिसमें कई बॉलीवुड और टीवी स्टार्स के नाम सामने आए हैं। मल्लिका शेरावत और पूजा बनर्जी को ईडी ने समन भेजा है। पूजा बनर्जी से इस मामले में पूछताछ की गई, जबकि मल्लिका शेरावत ने ईमेल के जरिए समन का जवाब दिया है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक इस गैम्बलिंग ऐप के जरिए से गैरकानूनी तरीके से पुरुषों के टी20 वर्ल्ड कप का ब्रॉडकास्ट किया गया था और ऑनलाइन सट्टेबाजी की जा रही थी। जांच में यह बात सामने आई है कि मैजिकविन वेबसाइट के मालिक पाकिस्तानी नागरिक हैं, लेकिन इसका संचालन दुबई में बैठे भारतीय कर रहे थे। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि वेबसाइट पर जिस खेल पर सट्टेबाजी हो रही थी, वह खेल फिलीपींस और अन्य देशों में खेला जाता हैं, जहां इन पर सट्टा लगाया जाता है। इसके अलावा यह भी पता चला कि गेम में लगाए गए पैसे को शेल कंपनियों के जरिए डाइवर्ट कर क्रिप्टोकरंसी में बदला जाता था, जिसे दुबई में एनकैश कर लिया जाता था। ईडी ने इस मामले में 68 बार सर्च ऑपरेशन चलाया है और मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले में कुल तीन करोड़ 55 लाख रुपए बरामद किए जा चुके हैं।

## खास खबर

### भगवा टीम बनी विजेता

**इन्दौर।** जय रंजीत वालीबाल क्लब द्वारा गुमास्ता नगर स्थित उद्यान में बने वालीबाल कोर्ट में आयोजित वालीबाल स्पर्धा में पांच टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें सभी आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल रहे। स्पर्धा में भगवा रंग की टीम विजेता रही। स्पर्धा की विशेषता यह रही कि इसमें भाग लेने वाली टीमों में शामिल सबसे अधिक आयु के खिलाड़ी 60 वर्षीय दिलीप मोटलानी को बेस्ट प्लेयर का अवार्ड मिला। मुख्य अतिथि गोविंद सेमानी ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किए। इस दौरान दिनेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

### मिचेल सेंटनेर बने न्यूजीलैंड के कप्तान

**आकलैंड।** बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनेर को केन विलियमसन की जगह न्यूजीलैंड का सफेद गेंद के प्रारूप का कप्तान बनाया गया। विलियमसन ने जून में टी20 विश्व कप के बाद पद छोड़ दिया था। न्यूजीलैंड के लिए 243 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सेंटनेर वनडे और टी20 में टीम की कमान संभालने वाले है। वे 24 टी20 और चार वनडे में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। वह श्रीलंका के खिलाफ दिसंबर के आखिर में शुरू हो रही टी20 और वनडे श्रृंखला से कमान संभालने वाले है। सेंटनेर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी बयान में कहा, ह्रायह बड़े सम्मान की बात है। बचपन से न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना देखा था और दो प्रारूप में टीम की कप्तानी करना खास है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, ह्रामिचेल टीम मैन हैं और खेल के हर पहलू में मोर्चे से अगुवाई करता है। वह काफी शांत रहता है और ड्रेसिंग रूम में उसका काफी सम्मान है।

### युवा चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा रोमानिया

**बुखारेस्ट।** रोमानिया क्लुज-नेपोका और टुरडा में 2026 यूरोपीय पुरुष हैंडबॉल युवा चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा, रोमानियाई हैंडबॉल महासंघ (एफआरएच) के महासचिव निकोला लुका ने बुधवार को उक्त घोषणा की। यह 2026 में रोमानिया में आयोजित होने वाला दूसरा प्रमुख यूरोपीय हैंडबॉल आयोजन होगा, साथ ही महिला सीनियर यूरोपीय चैम्पियनशिप भी होगी, जिसकी मेजबानी देश चेक गणराज्य, पोलैंड, स्लोवाकिया और तुर्किये के साथ करेगा। एफआरएच के अध्यक्ष कॉन्स्टेंटिन दीन ने सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए एक ठोस आधार तैयार करने के लिए पुरुषों की युवा चैंपियनशिप के महत्व पर प्रकाश डाला, और आने वाली पीढ़ी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया। अपने कार्यकाल के दौरान, दीन ने रोमानिया के लिए चार प्रमुख यूरोपीय हैंडबॉल स्पर्धाएँ हासिल की हैं, जिनमें 2022 में पिटेस्टी और क्रायोवा में आयोजित महिला युवा यूरोपीय चैम्पियनशिप भी शामिल है। रोमानियाई पुरुषों की सीनियर टीम जनवरी 2025 में स्पेन में एक तैयारी टूर्नामेंट में भी भाग लेगी, जिसमें नॉर्वे और मिस्र जैसी शीर्ष-स्तरीय टीमों का सामना होगा।

# न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला वनडे बारिश के कारण रद्द

एजेंसी

**वेलिंगटन।** न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीमों के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का पहला वनडे गुरुवार को वेलिंगटन में खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों के बीच दूसरा एकदिनी 21 और तीसरा व आखिरी मैच 23 दिसंबर को खेला जाएगा। यह श्रृंखला वर्तमान आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है और मैच रद्द होने से दोनों टीमें निराश हैं, क्योंकि वे अगले वर्ष होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2025 के आयोजन के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन न्यूजीलैंड में शेष मुकाबलों में से दो में जीत के साथ महिला चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है। भारत ऑस्ट्रेलियाई टीम से 10 अंक पीछे है, लेकिन उसे अभी भी छह मैच खेलने हैं और उन सभी मैचों में जीत के साथ वह मौजूदा विश्व कप चैंपियन से आगे निकल सकता है। न्यूजीलैंड ने अगले साल के 50 ओवर के विश्व कप में अपनी जगह पक्की नहीं की है, गुरुवार को बेसिन रिजर्व में कोई परिणाम नहीं मिलने के बाद कीवी टीम वर्तमान में 21 अंकों के साथ महिला चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है।



महिला क्रिकेट

## आपसी सहमति से अलग हुए पंजाब एफसी और मुशागा बकेंगा

एजेंसी

**मोहाली।** पंजाब एफसी और क्लब के स्ट्राइकर मुशागा बकेंगा ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी को इस सीजन की शुरूआत में रद्द शेरर द्वारा साइन किया गया था। उन्होंने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) और डूरंड कप में क्लब के लिए कुल 14 मैच खेले। बकेंगा ने अपने कार्यकाल के दौरान तीन गोल किए और एक असिस्ट प्रदान की। बकेंगा से अलग होने पर पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलेटिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, आपसी चर्चा के बाद, यह तय किया गया कि बकेंगा हमारे साथ अलग होंगे। मैं उनके योगदान के लिए उनका तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। बकेंगा का पंजाब एफसी के लिए आखिरी मैच इंडियन सुपर लीग में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ एक सब्स्टीट्यूट के रूप में था।

# भारतीय टीम उत्साहित होकर मेलबर्न पहुंची

एजेंसी

**मेलबर्न।** भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे से होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए यहां पहुंच गयी है। अभी तक ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहला टेस्ट भारतीय टीम ने जीता था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता। मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पिछले एक दशक से भारतीय टीम के लिए अच्छा साबित हुआ है और एक प्रकार से घरेलू मैदान की तरह ही बन गया है। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक में यहां 3 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें से उसे दो में जीत मिली है जबकि मेजबान टीम एक भी मैच नहीं जीती है। दोनों टीमें अब 26 दिसंबर से ही यहां खेलेंगी। भारतीय टीम यहां जीत की हैट्रिक बनाने के इरादे के साथ मैदान पर उतरेगी। पिछले आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में पहला टेस्ट 1948 में खेला। इस साल उसने यहां दो टेस्ट मैच खेले जिसमें से उसे एक में पारी की हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने मैच में 233 रन से टीम हारी इसके बाद 1968 में भारतीय टीम को यहां पारी से हार हुई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में भारत के खिलाफ लगातार तीन जीत दर्ज की। कुल रिकॉर्ड की बात करें तो भारतीय टीम ने मेलबर्न में अब तक 14 टेस्ट मैच में से 4 मैच जीते हैं, जबकि 8 बार हारी है और 2 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत को ऑस्ट्रेलिया में पहली जीत 1978 में बिशन सिंह बेदी की कप्तानी में मिली। भारतीय टीम ने यहां 222 रन से मुकाबला जीता। इस जीत में मुख्य भूमिका भारत स्पिनर भगवत चंद्रशेखर ने 12 विकेट लेकर निभाई थी जबकि सुनील गावस्कर ने शतक लगाया था।



## सिमरन शेख ने विराट से मिलने की इच्छा जताई

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली से अनकैप्ड बल्लेबाज सिमरन शेख ने मिलने की इच्छा जताई। महिला प्रीमियर लीग 2025 की नीलामी में गुजरात जायंट्स द्वारा 1.9 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद सिमरन सुर्खियों में आईं। हाल ही में सिमरन ने यह भी खुलासा किया कि विराट उनके पसंदीदा खिलाड़ी हैं और उनका लक्ष्य भारत का प्रतिनिधित्व करना है, जिसके लिए वह हर संभव प्रयास कर रही हैं। सिमरन ने कहा, मेरा सपना एक बार विराट कोहली से मिलना है। मुझे बस भारत की जर्सी चाहिए और इसलिए मैं ये सब प्रयास कर रही हूं। अनकैप्ड बल्लेबाज के लिए दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी बोली लगाने की होड़ में शामिल हुईं। उनका बेस प्राइस 5 लाख रुपए था और जायंट्स ने उन्हें 1.9 करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि में खरीदा। टूर्नामेंट के पहले सीजन में सिमरन ने गुजरात स्थित फ्रैंचाइजी के लिए खेला और 9 मैचों में हिस्सा लिया। सिमरन को लगता है कि फ्रैंचाइजी में योगदान देना उनकी जिम्मेदारी है और उन्होंने कहा, मैं जीजी (गुजरात जायंट्स) परिवार का शुक्रिया अदा करती हूं। इतनी बड़ी रकम मिलने के बाद अब उनके लिए प्रदर्शन करना मेरी जिम्मेदारी है। मैं अपने माता-पिता का शुक्रिया अदा करती हूं क्योंकि मेरे समुदाय में ऐसी चीजों के लिए ज्यादा समर्थन नहीं है, लेकिन उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया। नीलामी पर बोलते हुए मुख्य कोच माइकल क्लिंगर ने कहा कि टीम की प्राथमिकता ऐसे खिलाड़ियों को हासिल करना है जो प्लेइंग 11 में प्रभाव डाल सकें और सिमरन टीम के लिए एक मूल्यवान खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, सिमरन शेख टीम के लिए एक और मूल्यवान खिलाड़ी हैं। वह बहुत ताकत लेकर आती हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है।



## ऑस्ट्रेलिया टीम ने अश्विन को दी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर वाली जर्सी

एजेंसी

**ब्रिस्बेन।** भारतीय टीम के अनुभवी क्रिकेटर आर अश्विन के चाहने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम में भी हैं। इसी कारण कप्तान पैट कमिंस सहित पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अश्विन को संन्यास पर एक विशेष जर्सी भेंट की हैं। इसमें सभी क्रिकेटरों के हस्ताक्षर थे। कमिंस ने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि मैं कभी अपनी गेंदबाजी लय को लेकर परेशान रहा। वहीं मैं इसपर अधिक ध्यान नहीं देता। अश्विन के संन्यास की घोषणा पर कमिंस भी अन्य लोगों की तरह ही हैरान हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने कहा कि निश्चित तौर पर यह थोड़ा हैरान करने वाला रहा। वह निश्चित तौर पर बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे बहुत कम ऑफ स्पिनर हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक अपना प्रभाव दिखाया है। उनकी गणना सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा शानदार प्रतिस्पर्धी रहा। ऑस्ट्रेलिया और भारत में हमारे और उसके बीच काफी रोचक प्रतिस्पर्धा हुई। हमारी टीम उसका बहुत सम्मान करती है। कमिंस ने बारिश के कारण ड्रॉ रहे तीसरे टेस्ट मैच को निराशाजनक बताया क्योंकि खिलाड़ियों को कई बार अंदर बाहर होना पड़ा।

## रहाणे ने अश्विन को दी शुभकामनाएं

**मुंबई।** बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अनुभवी स्पिनर आर अश्विन के सन्यास पर उन्हें भविष्य की योजनाओं के लिए शुभकामनाएं दी हैं। रहाणे ने अश्विन के गेंदबाजी करते समय स्लिप पर खड़े होकर क्षेत्ररक्षण करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया है। उन्होंने कहा कि अश्विन के साथ हर गेंद एक मौके की प्रतीक्षा की तरह महसूस होती थी। साथ ही उन्हें आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दी हैं। गौरतब है कि अश्विन ने साल 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करते हुए 106 टेस्ट मैचों में 537 विकेट लिए हैं। उन्होंने 37 बार 5 विकेट लिए और इस दौरान 3,503 रन भी बनाए। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की औसत से 115 विकेट लिए।

# संजू सैमसन और मनीष पांडे को नहीं मिली विजय हजारे ट्रॉफी में जगह

एजेंसी

**नई दिल्ली।** 21 दिसंबर से शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर दो चौकाने वाली बात सामने आई है। एक और केरल ने संजू सैमसन को टीम से बाहर रखा है। वहीं कर्नाटक ने सीधे तौर पर मनीष पांडे से किनारा कर लिया है। संजू सैमसन को केरल की टीम से बाहर रखने के पीछे केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने कैंप में शामिल खिलाड़ि्यों में से ही टीम चुनने को वजह बताया है। जिसके बाद सैमसन ने अपना नाम वापस ले लिया। सैमसन ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2024-25 में केरल का नेतृत्व किया था, जहां वह अपने छह मैचों में से चार जीतकर नॉकआउट के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए थे। इस दौरान सैमसन ने पांच मैच में 135 रन बनाए थे। हालांकि सैमसन का नाम 30 सदस्यीय संभावित सूची में था, लेकिन उनको अब 19 सदस्ीय टीम में नहीं चुना गया। दूसरी ओर, कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) ने साफ तौर पर कहा है कि मनीष पांडे का टीम से बाहर होना उनके प्रदर्शन के आधार पर लिया गया फैसला है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मनीष पांडे ने पांच पारियों में सिर्फ 117 रन बनाए थे। एसोसिएशन ने यहां तक कहा है कि अब भविष्य में भी टीम में चयन के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। इस तरह मनीष पांडे के लिए रणजी क्रिकेट में यह उनके शानदार करियर के अंत का प्रतीक है, जिसमें वह कई सफेद गेंद चैंपियनशिप जीतने के अलावा, दो रणजी ट्रॉफी विजेता टीमों (2013-14 और 2014-15) का हिस्सा थे। दिलचस्प बात यह है कि कर्नाटक ने उनके नेतृत्व में 2018-19 और 2019-20 में लगातार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया था। मनीष पांडे के नाम 118 प्रथम श्रेणी मैचों में 50.78 की औसत से 25 शतकों के साथ 7973 रन हैं। कुल मिलाकर, सफेद गेंद के प्रारूपों में उनके नाम कुल 13,000 से अधिक रन हैं।

केरल टीम: सलमान निजार, रोहन कुन्नुमल, शॉन रॉजर, मोहम्मद अजहरुद्दीन (विकेटकीपर), आनंद कृष्णन, कृष्णा प्रसाद, जलज सक्सेना, आदित्य सरवटे, सिजोमॉन जोसेफ, बासिल थंपी, बासिल एनपी, निधीश एमडी, ईडन एप्पल टॉम, शरफुद्दीन, अखिल सकारिया, विश्वेश्वर सुरेश, वैशाख चंद्रन, अजनस एम (विकेटकीपर)।





# क्रिकेटर के तौर पर खेलता रहूंगा : अश्विन

एजेंसी

**चेन्नई।** अनुभवी स्पिन आर अश्विन ने कहा है कि भले ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया है पर एक क्रिकेटर के तौर पर वह अभी खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं जितने अधिक समय तक हो उतने लंबे समय तक खेलता रहूंगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के ड्रॉ होने के तत्काल बाद ही अश्विन ने खेल को अलविदा कह दिया था। इसी के साथ ही भारतीय टीम के साथ उनका 14 साल का करियर भी समाप्त हो गया। अब अश्विन आगामी आईपीएल 2025 सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने को तैयार हैं। उन्हें पिछले महीने मेगा नीलामी में 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा गया था। अश्विन ने कहा, मैं सीएसके के लिए खेलने जा रहा हूं और अगर मैं लंबे समय तक खेलने की कोशिश करता हूं तो हैरान न हों। मुझे नहीं लगता कि अश्विन क्रिकेटर के तौर पर खेलना बंद कर चुके हैं, मुझे लगता है कि अश्विन के भारतीय क्रिकेटर के तौर पर शायद अब खेलने का समय आ गया है। बस इतना ही। अपने संन्यास के बारे में बात करते हुए अश्विन ने खुलासा किया कि यह फैसला सहज था और उन्हें राहत और संतुष्टि की भावना का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत से लोगों के लिए भावनात्मक है। यह भावनात्मक होगा, शायद यह उनके दिमाग में उतर जाए। लेकिन मेरे लिए, यह राहत और संतुष्टि की बहुत बड़ी भावना है। अश्विन ने 106 टेस्ट मैचों में 24 की औसत से 537 विकेट के साथ अपने करियर का अंत किया और दिग्गज लेग स्पिनर अनिल कुंबले के बाद भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए।




## दोहरा खिताब जीतने वाले यश किंगर बने प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट

एजेंसी

**रांची।** सात दिवसीय 17वां जेड स्नूकर एवं पुल चैंपियनशिप का बरियातू स्थित गेमर्स गैराज क्लब में आज समापन हुआ। यह टूर्नामेंट हर साल डॉ मोहम्मद जाकिर के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में अलग अलग इवेंट्स निम्न विजेता एवं उपविजेता रहे - मास्टर स्नूकर यश किंगर ने अरमान को हराया, मास्टर सिक्स रेड्स में यश किंगर ने दिव्या ज्योति (टीपू) को पराजित किया, नील सिन्हा मिनी सिक्स रेड्स में अनुज को हराया। अनुज ने मिनी स्नूकर में आदर्श को हराया। 9 बॉल्स में चाहत ने रोहित चौधरी को हराया। इमर्जिंग प्लेयर का ट्रॉफी यश दास मिला। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार शंभू नाथ चौधरी ने विजेताओं और उपविजेताओं को ट्रॉफी, गिफ्ट और ईनाम राशि देकर उनका उत्साह बढ़ते हुए कहा कि स्नूकर-पूल एक एकाग्रता, अनुशासन और कौशल का खेल है उसी अपनी जिंदगी के लक्ष्य प्राप्ति पर भी अमल में लाएं क्लब की ओर से विजेताओं और उपविजेताओं को मेंबरशिप दिया गया। इस अवसर पर डॉ मोहम्मद जाकिर, यश किंगर, इंद्रजीत, नील, सुमित, अरमान, यश दास, समीर, अंकित, तनवीर, रुस्तम सहित सभी खिलाड़ी मौजूद थे।

# आरसीबी ने मेड ऑफ बोल्ड खेल विकास कार्यक्रम किया शुरू

एजेंसी

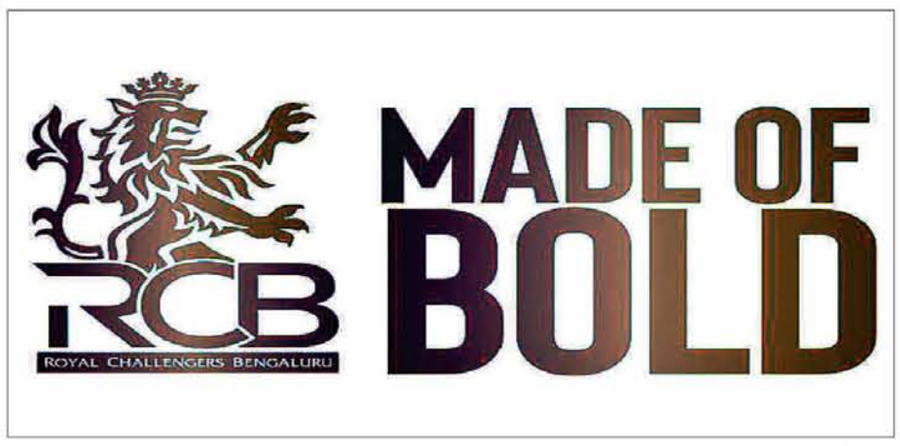

**बेंगलुरु।** प्रतिभाओं को उजागर करने और विभिन्न क्षेत्रों से एथलेटिक चैंपियनों को विकसित करने के उद्देश्य से, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने कहा, ह्रमेड ऑफ बोल्ड पहल आरसीबी के स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन के व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है, जो भारत के लिए एक स्थायी और मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना चाहता है। इस प्रयास का उद्देश्य एथलीटों की पहचान करना और उनका पोषण करना और देश में सक्रिय खेल विकास के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच बातचीत शुरू करना है। उन्होंने कहा, हम वास्तव में मानते हैं कि खेल और समुदाय एक साथ आने से सभी को दीर्घकालिक लाभ मिलता है। यह न केवल पहचानी गई और पोषित प्रतिभा के लिए है, बल्कि समुदाय पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के लिए भी है। हम आरसीबी के मेड ऑफ बोल्ड पहल के साथ ऐसा करने का लक्ष्य रखते हैं, जो खेल के माध्यम से वंचित समुदायों के साथ अंतराल को पाटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक विकास का समर्थन करता है।ह इस पहल पर आरसीबी की शीर्ष क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल ने कहा, ह्रमैं आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम' के लॉन्च को देखकर रोमांचित हूं। यह वास्तव में वही है जिसकी हम भारतीय खिलाड़ियों को जरूरत है - समावेशिता का निर्माण करना और एथलीटों और उनके समुदायों को आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करना। भारत एक विशाल देश है जिसमें बहुत सारी अप्रयुक्त खेल क्षमताएं हैं, और यह पहल सही दिशा में एक कदम है। आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम की यात्रा उत्तर कन्नड़ जिले के एक छोटे से शहर मुंडगोड से शुरू होती है। इस क्षेत्र के आदिवासी समुदायों (विशेष रूप से सिद्दी समुदाय) में स्प्रिंटिंग के लिए भारत की सबसे अधिक प्रतिभा घनत्व है। इस सुदूर क्षेत्र के बच्चे ओलंपिक चैंपियन उसैन बोल्ट और नोआ लाइल्स को अपना आदर्श मानते हैं, और दौड़ना उनके लिए, सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है। मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम को आरसीबी ने गैर-लाभकारी खेल संगठनों, जैसे कि गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन और ब्रिजेस ऑफ स्पोर्ट्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में बनाया था। सावधानीपूर्वक तैयार किया गया यह कार्यक्रम शिक्षा, प्रशिक्षण और पोषण सहित व्यापक सहायता प्रदान करता है, साथ ही उत्तरी कर्नाटक के इस आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा के खेलों में एकीकृत करने के लिए मदद करने के लिए खेल की शक्ति का लाभ उठाता है।

सउदी अरब में फ्रांस के लुका वेन एटीपी टेनिस फाइनल में खेलते हुए।

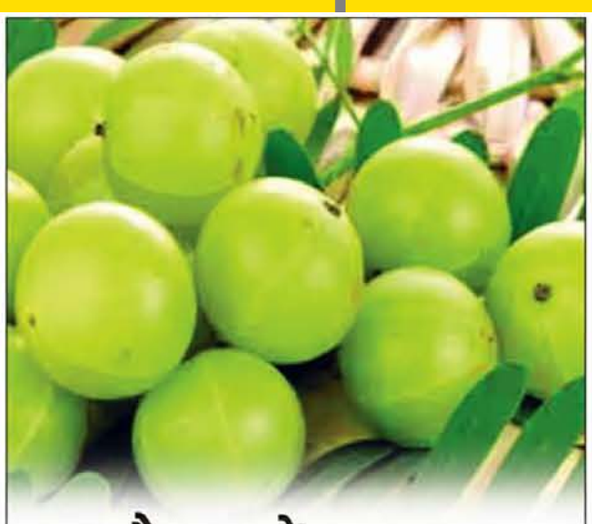

# हर मौसम में लाभदायक है विटामिन-सी से भरपूर आंवला

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।

# स्किन एलर्जी से राहत पाने के लिए ट्राई करें ये उपाय

**बढ़ते प्रदूषण, गलत खानपान व स्किन केयर में लापरवाही बरतने से स्किन एलर्जी होने लगती है। इसके कारण त्वचा में खुजली, दाने, जलन, रैशेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। कई बार तो दर्द का भी सामना करना पड़ता है।**

एक्सपर्ट्स के अनुसार, कई बार तो यह एलर्जी कुछ दिनों में ठीक हो जाती है। मगर कई मामलों में यह गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में किसी स्किन एक्सपर्ट्स से सलाह लेने में ही भलाई है। मगर लाइट एलर्जी को कुछ देसी उपायों द्वारा दूर किया जा सकता है।

## एलोवेरा जेल

स्किन एलर्जी होने पर जलन, खुजली, रैशेज, दर्द आदि होने लगता है। आप इन समस्याओं से बचने के लिए एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकती है। एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-वायरल गुण होते हैं। यह स्किन को गहराई से पोषित करके इससे जुड़ी समस्याओं से छुटकारा दिलाता है। इसके साथ ही त्वचा की रंगत निखरी व जवां नजर आती है। आप दिनभर में कभी भी एलोवेरा जेल से चेहरे व एलर्जी वाली जगह पर मसाज कर सकती है। सोने से पहले इसे लगाने बेस्ट माना जाता है।

## टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे लगाने से पिंपल्स, दाग, धब्बे, झाइयां, झुर्रियां आदि की समस्या से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही यह त्वचा को कोमलता से पोषित करके स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल, एंटी-इंफ्लेमेट्री और एंटी-माइक्रोबियल तत्व एलर्जी की परेशानी को कम करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, स्किन में जलन, खुजली, रेडनेस आदि एलर्जी होने पर टी ट्री ऑयल लगाना फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए कॉटन में टी ट्री ऑयल की कुछ बूंदें लेकर प्रभावित जगह पर लगाएं।

## एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर खाने के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह एक बेहतर स्किन केयर एजेंट की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एसिटिक एसिड स्किन एलर्जी को दूर करने में कारगर होता है। स्किन में जलन, रैशेज, खुजली आदि होने पर आप एप्पल साइडर विनेगर यूज कर सकती है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में 1 बड़ा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं। तैयार मिश्रण को प्रभावित जगह पर कॉटन की मदद से लगाकर सूखने दें। बाद में ठंडे पानी से साफ करके सूखा लें। ऐसा कुछ दिनों तक करने से एलर्जी की परेशानी दूर हो जाएगी। मगर सेंसिटिव स्किन वालों को इसके इस्तेमाल से बचना चाहिए।

# ब्लड प्रेशर लो हो जाने पर खानी चाहिए ये चीजें, जल्द मिलेगा आराम

**लो ब्लड प्रेशर एक ऐसी स्थिति है जब व्यक्ति के रक्तचाप के स्तर में अचानक से कमी आ जाती है। वैसे तो यह बहुत आम समस्या बन गई है लेकिन इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए।**

इस स्थिति में शरीर के सभी अंगों में ब्लड सप्लाई कम हो जाती है जो कि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में कई बार चक्कर आना, झुंझलाहट होना, आंखों के सामने धुंधलापन, मितली, कमजोरी और थकान महसूस होने लगती है। खराब दिनचर्या और खान-पान में लापरवाही की वजह से भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके लिए आपको अपने आहार में हेल्दी और पौष्टिक चीजें शामिल करनी चाहिए।

**अंडा** - वैसे तो अंडा शरीर की बहुत सी समस्याएं दूर कर सकता है लेकिन हाइपोटेंशन यानी लो बीपी के मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा आहार माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन बी-12 रेड ब्लड सेल्स का उत्पादन बढ़ाता है।

**डार्क चॉकलेट** - डार्क चॉकलेट खाना भी इस समस्या से राहत दिला सकती है। डार्क चॉकलेट में ऐसे गुण भी पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर उसे सामान्य बनाने में मदद करती है।

**अंगूर** - अंगूर का जूस हाइपोटेंशन के लक्षणों का इलाज करने में बहुत असरदार है। बीपी लो होने पर यदि अंगूर या अंगूर का रस दिया जाए तो आराम मिलता है। अंगूर के रस में पाया जाने वाला पोटेशियम ब्लड वैसल्स वॉल को आराम देकर रक्तचाप को कम करने में मदद करता है।

**पनीर** - लो बीपी की समस्या होने पर पनीर खाना बेहद फायदेमंद होता है। लो बीपी होने पर अक्सर अधिक नमक वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में आप पनीर पर चाट मसाला या फिर हल्का नमक डालकर खा सकते हैं। इससे आपके शरीर को ताकत भी मिलेगी और लो बीपी की समस्या में भी राहत मिलेगी।

**कॉफी** - लो बीपी को मेंटेन करने के लिए कैफीन को सबसे फायदेमंद माना गया है। यदि अचानक से बीपी लो हो जाए तो मरीज को कॉफी देने के कुछ सेकंड बाद ही वह एक्टिव हो जाता है। खासतौर से अगर ब्लैक कॉफी उपलब्ध है तो यह बेहद फायदेमंद होती है। यह आपकी हार्ट रेट को बढ़ाएगी जिससे ब्लड प्रेशर भी सामान्य हो जाएगा।

**छाछ** - लो ब्लड प्रेशर के मरीज को सुबह के नाश्ते या उसके बाद छाछ का सेवन करना चाहिए। छाछ में नमक, भुना हुआ जीरा और हींग मिलाकर पिएं, इससे बीपी नियंत्रित रहेगा।

**नींबू पानी** - लो ब्लड प्रेशर की समस्या में नींबू पानी में थोड़ा ज्यादा नमक डालकर पीना बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। नमक ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है जिससे लो बीपी सामान्य स्थिति में आ जाता है।

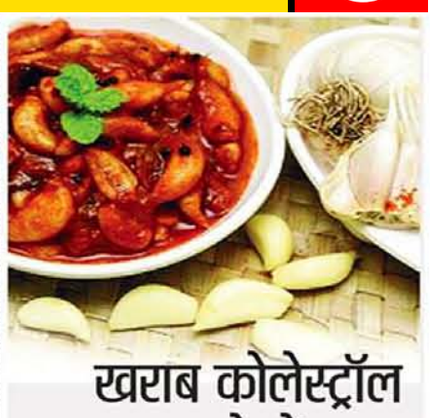

# खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है लहसुन, डाइट में करें शामिल

भारतीय रसोई में खाने बनाने में लहसुन का खासतौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक, एंटी-आक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-फंगल व औषधीय गुण होते हैं। इसका कच्चा सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आयुर्वेद में भी लहसुन का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज में होता है। आप इसे सब्जी में मिलाकर या कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं लहसुन का अचार खाने के फायदे.

## कोलेस्ट्रॉल करें कम

एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद औषधीय गुण शरीर से खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है। ऐसे में दिल स्वस्थ रहता है।

## कैंसर का खतरा करें कम

लहसुन में ऑर्गेनो-सल्फर सेरेब्रम होता है। यह ट्यूमर में जोखिम भरी कोशिकाओं में से एक को नष्ट करने मे मददगार होता है। इसके सेवन से प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर से बचाव रहता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, इसकी तेज गंध कैंसर और दिल संबंधी रोगों के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करती है।

## फेफड़े का बेहतर विकास

एक्सपर्ट्स के अनुसार, हर हफ्ते कच्ची लहसुन खाने से फेफड़ों का बेहतर विकास होता है। वहीं लोग इसे कच्चा नहीं खाना पसंद करते वे लहसुन का अचार खा सकते हैं। अध्ययनों के मुताबिक फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए लहसुन एक रसायन-निवारक विशेषज्ञ की तरह काम कर सकता है।

## पेट संबंधी समस्याओं से राहत

लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के अनुसार, लहसुन खाने से अपच, गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट में जलन आदि पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। आप इसे कच्चा खाने की जगह पर इसका अचार बना कर खा सकती है।

## आंखों की सेहत रखें दुरुस्त

लहसुन इम्यूनिटी बूस्ट करने के साथ आंखों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। लहसुन के अचार में बीटा कैरोटीन अधिक होने से आंखों से जुड़ी समस्याओं से बचाव रहता है।

## जोड़ों के दर्द में राहत

लहसुन खाने से जोड़ों के दर्द से भी राहत मिलती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, लहसुन में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण जोड़ों के दर्द फायदेमंद माने जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से जोड़ों में दर्द, सूजन की से बचाव रहता है। इसके लिए आप कच्चा लहसुन, नमकीन लहसुन या इसका अचार खा सकती है।

## सर्दी, खांसी व मौसमी बीमारियों से दिलाएं आराम

सर्दी, खांसी, जुकाम व अन्य मौसमी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में इस दौरान एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल व औषधीय से भरपूर लहसुन का अचार खाना फायदेमंद माना जाता है। वहीं दुनियाभर में फैले कोरोना वायरस से बचने व इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लहसुन का अचार खाना बेहद फायदेमंद माना गया है।

# ओमेगा-3 के लिए अपनी डाइट में शामिल करें ये फूड

**शरीर में ओमेगा-3 की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं। ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। अगर आप मछली नहीं खाते हैं, तो नीचे बताए प्लांट बेस्ड फूड को अपनी डाइट में शामिल करें।**

प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन की तरह ओमेगा-3 फैटी एसिड भी एक ऐसा पोषक तत्व है, जो शरीर और दिमाग के बेहतर कामकाज के लिए बहुत जरूरी है। ओमेगा 3 फैटी एसिड क्यों जरूरी है? एक्सपर्ट्स मानते हैं कि शरीर में इसकी कमी से त्वचा ड्राई हो सकती है, आप तनाव की चपेट में आ सकते हैं, आंखें ड्राई हो सकती हैं, जोड़ों में दर्द और अकड़न आ सकती है, बाल कमजोर और बेजान हो सकते हैं।

## शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी के लक्षण?

शरीर में इस पोषक तत्व की कमी से आपको थकान, याददाश्त कमजोर होना, ड्राई स्किन, दिल के रोग, मूड स्विंग, तनाव, ब्लड सर्कुलेशन का बिगड़ना जैसे गंभीर लक्षण महसूस हो सकते हैं।

## शरीर को रोजाना कितने ओमेगा-3 फैटी एसिड की जरूरत होती है?

ऐसा माना जाता है कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 250-500 मिलीग्राम ओमेगा-3 फैटी एसिड लेना चाहिए।

## क्या खाएं?

ओमेगा-3 सबसे बढ़िया स्रोत मछली को माना जाता है। लेकिन समस्या यह है कि बहुत से लोग मछली नहीं खाते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन बता रही हैं कि मछली के अलावा किन-किन चीजों में ओमेगा-3 पाया जाता है।

## अलसी के बीज

ये छोटे भूरे या पीले बीज ओमेगा-3 का खजाना हैं। आप ओमेगा-3 की कमी पूरी करने के लिए इसका तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। अलसी फाइबर, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्वों का भी अच्छा स्रोत हैं। चम्मच (10.3 ग्राम) अलसी के बीज में 2,350 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

## चिया के बीज

चिया के बीजहर तरह से पौष्टिक होते हैं. इनमें ओमेगा-3 के अलावा मैंगनीज, सेलेनियम, मैग्नीशियम और कुछ अन्य पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। 1-औंस (28-ग्राम) चिया सीड्स में 5 ग्राम प्रोटीन होता है, जिसमें सभी आठ आवश्यक अमीनो एसिड शामिल हैं। इतनी ही मात्रा में 5,050 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

## अखरोट

अखरोट बहुत पौष्टिक होते हैं और फाइबर से भरपूर होते हैं। इसमें हाई मात्रा में तांबा, मैंगनीज और विटामिन ई जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। अखरोट के फिनोल एंटीऑक्सिडेंट गुण कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं। 28 ग्राम या लगभग 14 अखरोट में 2,570 मिलीग्राम ओमेगा-3 पाया जाता है।

# थेरी का सीन-दर सीन रीमेक नहीं है बेबी जॉन

वरुण धवन कील्स द्वारा निर्देशित बेबी जॉन के जरिए दर्शकों के बीच तहलका मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये एक्शन-थ्रिलर क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। क्योंकि, फिल्म एटली कुमार द्वारा सह-निर्मित है, इसलिए वरुण धवन के प्रशंसकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि अपकमिंग फिल्म एटली की 2016 में रिलीज हुई फिल्म थेरी का आधिकारिक रीमेक हो सकती है। इस फिल्म में थलापति विजय लीड रोल में नजर आए थे। इन दावों पर अब वरुण धवन ने भी प्रतिक्रिया दी है।

### क्या थेरी का रीमेक है बेबी जॉन?

बेबी जॉन को थेरी का रीमेक बताने वाले दावों का खंडन करते हुए अब वरुण आगे आए हैं और कहा है कि बेबी जॉन फिल्म का सीन-दर-सीन रीमेक नहीं बल्कि एक एडेप्टेशन है। इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में, वरुण धवन ने कहा कि एटली स्क्रिप्ट के साथ आए थे, जिसमें फिल्म की भूगोल के कारण बहुत कुछ बदलना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग थेरी के किताब-दर-किताब रीमेक की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें निराशा होगी।

### आगे क्या बोले वरुण धवन?

वरुण धवन आगे कहते हैं- जब एटली यह फिल्म लेकर आए तो इसके पीछे एक कारण था और उन्होंने कहा कि हमें फिल्म का में बहुत कुछ बदलना पड़ा। उन्होंने कहा, हमें इसे एक एडाप्टेशन के रूप में उपयोग करना होगा न कि एक रीमेक के रूप में और मुझे लगता है कि हमने यही किया है। जैसा कि आप देख रहे हैं, बहुत सारे फ्रेम और कहानी के बहुत सारे एंगल्स अलग-अलग हैं। इसलिए, अगर कोई बुक बाय बुक रीमेक की उम्मीद कर रहा है, तो वे निराश होंगे क्योंकि फिल्म वह नहीं है। यह एक एडाप्टेशन है। हम उससे भाग नहीं रहे हैं, बल्कि यह एक सच में फिल्म से प्रेरित है।

### फिल्म के बारे में

फिल्म में वरुण धवन के अलावा वामिका गब्बी और कीर्ति सुरेश भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। फिल्म में वरुण धवन ने सत्या वर्मा का किरदार निभाया है जो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी है। वह अपनी मौत का नाटक करता है और एक व्यक्तिगत दुखद घटना के बाद अपनी बेटी खुशी की परवरिश के लिए अंडरग्राउंड हो जाता है।

# फूल के किरदार के लिए दीपिका-आलिया ने की थी मदद

लापता लेडीज में फूल बनकर दर्शकों के दिलों में पहचान बनाने वाली नितांशी गोयल ने कम उम्र में ही वह कामयाबी हासिल कर ली है, जिसका सपना हर कलाकार देखता है। कमसिन उम्र और करियर की शुरुआत में ही नितांशी के कदमों को सफलता ने इस कदर चूमा है कि उनके नाम की गूंज अब हॉलीवुड में भी सुनने को मिल रही है, लेकिन क्या आपको पता है कि लापता लेडीज में फूल के किरदार के लिए नितांशी को बॉलीवुड की इन दो अभिनेत्रियों की मदद मिली थी?

### नितांशी ने ऐसे शूट किया था पहला सीन

हाल ही में, जूम के साथ एक साक्षात्कार में नितांशी ने लापता लेडीज के पहले सीन की शूटिंग को याद किया और बताया कि पहले दृश्य की शूटिंग के वक्त वह काफी डरी हुई थीं। अभिनेत्री ने कहा, पहला सीन काफी इमोशनल था और इमोशनल सीन मेरी मजबूती है। मैंने खुद से कहा कि अगर इसे अच्छे से नहीं किया तो नाक कट जाएगी क्योंकि रोना मेरे अभिनय का मजबूत पक्ष है। अगर मैं आपके सामने रोती हूं तो सब कहते हैं कि मैं एक अच्छी अभिनेत्री हूं। दीपिका-आलिया ने ऐसे की थी मदद नितांशी ने आगे बताया, किरण राव ने मुझपर काफी भरोसा किया था और मैं उनके भरोसे को तोड़ना नहीं चाहती थी। इसलिए शूटिंग से पहले मैंने रातभर गूगल पर दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के रोने वाले सीन को सर्च किया। फिर सुबह मैंने दो-तीन इमोशनल सॉन्ग सुने और खुद को सीन के लिए तैयार कर लिया था।

# बड़ी और बेहतर होगी हीरामंडी 2

2024 में वेब सीरीजों में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हीरामंडी को लेकर यह समाचार आ रहे हैं कि संजय लीला भंसाली जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि कहा यह जा रहा है कि भंसाली इन दिनों अपनी फिल्म लव एण्ड वॉर को पूरा करने में लगे हैं, उसके बाद ही वह हीरामंडी 2 पर काम शुरू करेंगे। फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी - द डायमंड बाजार' इसी साल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसकी लोकप्रियता का आलम यह था कि यह सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेब सीरीज में से एक बन गई। एक्ट्रेस संजीदा शेख ने भी इसमें अहम रोल किया था। उन्होंने 'हीरामंडी' के अगले पार्ट को लेकर उत्साह दिखाया है। संजीदा ने कहा कि मुझे यकीन है कि 'हीरामंडी 2' बड़ी और बेहतर होगी। मुझे नहीं पता कि हम शूटिंग कब शुरू करेंगे, लेकिन जब संजय लीला भंसाली सर की बात आती है, तो यह ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह हो जाता है। मैं कोई शो देखती थी, जहां कुछ कलाकार आते थे और कहते थे कि उन्हें 'भंसालीफाइड' कर दिया गया है और मुझे आश्चर्य होता था कि मेरी बारी कब आएगी। अब जब मैं अपनी मीटिंग के लिए जाती हूं तो मेकर्स तारीफ करते हैं कि मैं कितनी अच्छी परफॉर्मर हूं। मुझे काफी अच्छा फील होता है, क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा काम खुद बोलना चाहिए। बता दें जून में रिलीज हुई 'हीरामंडी' में संजीदा ने 'वहीदा' का किरदार निभाया था। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा, फरदीन खान, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन सहित कई सितारे नजर आए थे।

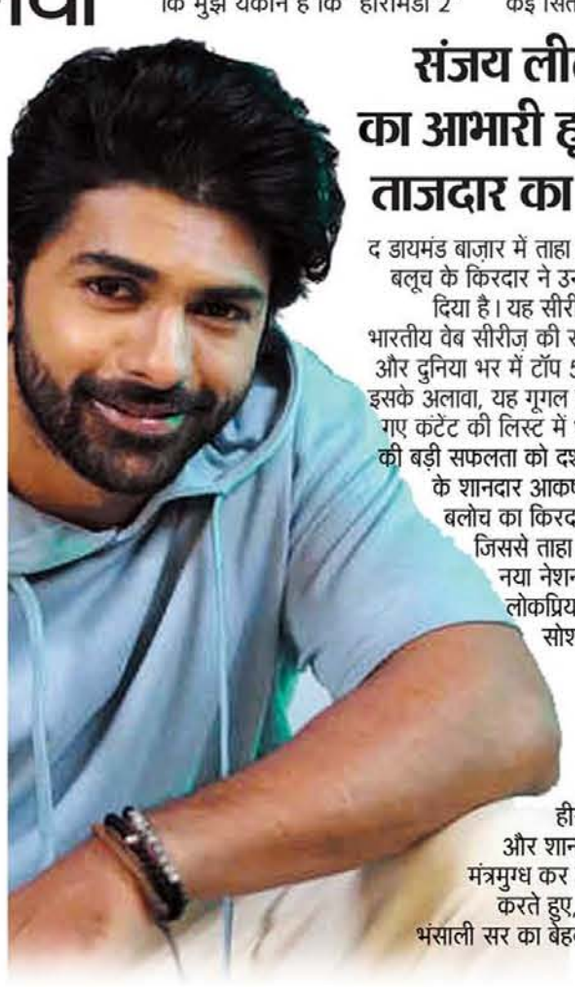

# संजय लीला भंसाली सर का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे ताजदार का किरदार सौंपा

द डायमंड बाज़ार में ताहा शाह बदुशा के नवाब, ताजदार बलूच के किरदार ने उन्हें शहर में चर्चा का विषय बना दिया है। यह सीरीज़ 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय वेब सीरीज़ की सूची में नंबर 1 पर पहुंच गई है और दुनिया भर में टॉप 5 टीवी शो में शुमार हो गई है। इसके अलावा, यह गूगल की 2024 के सबसे सर्च किए गए कंटेंट की लिस्ट में भी शामिल है, जो न केवल शो की बड़ी सफलता को दर्शाता है, बल्कि ताहा के प्रदर्शन के शानदार आकर्षण को भी दर्शाता है। ताजदार बलोच का किरदार एक फेनोमिनन बन गया है, जिससे ताहा हर लड़की का ड्रीम क्रश और नया नेशनल हार्टथ्रोब बन गए हैं। उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि वे अब सोशल मीडिया पर एक सर्टिफाइड सेंसेशन बन चुके हैं, जहां प्रशंसक उनके लिए समर्पित पेज और फैन आर्ट बना रहे हैं। प्रसिद्ध निर्देशक संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी ने अपनी जटिल कहानी और शानदार दृश्यों के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, ताहा ने कहा, मैं संजय लीला भंसाली सर का बेहद आभारी हूं, जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया।

# क्या वाकई घर बसाने जा रही हैं कृति?

## तेज हुई शादी की अफवाह

अभिनेत्री कृति सेनन ने इस साल फिल्म दो पत्ती से बतौर निर्माता डेब्यू किया है। इसमें उन्होंने काजोल के साथ अभिनय भी किया। फिल्म और अभिनय के साथ-साथ कृति इस वक्त अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर वे कबीर बहिया को डेट कर रही हैं। दोनों के अफेयर की खबरों के बीच इनकी शादी की अफवाह फैल रही हैं।

### शादी समारोह में साथ नजर आए

कबीर बहिया के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच हाल ही में कृति सेनन उनके साथ एक शादी समारोह में शामिल हुई। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शादी कबीर के किसी करीबी रिश्तेदार की थी, जिसमें कृति ने भी शिरकत की। यह शादी दुबई में आयोजित हुई। शादी से अभिनेत्री की एक तस्वीर सामने आई है। इसे स्नेहकुमार नाम के यूजर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

### क्या अगले साल शादी की तैयारी?

इस शादी समारोह में महेंद्र सिंह धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ पहुंचे। धोनी के एक फैन पेज से भी इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें कृति भी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद दावा किया जा रहा है कि कृति और कबीर एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। कहा तो ये भी किया जा रहा है कि दोनों अगले साल शादी करने की तैयारी में हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से इन खबरों की पुष्टि नहीं हुई है।

### कृति तोड़ चुकी हैं डेटिंग की खबरों पर चुप्पी

कृति सेनन और कबीर इससे पहले भी कई बार साथ नजर आ चुके हैं। इससे पहले कबीर के साथ अपनी डेटिंग और शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ते हुए कृति ने कहा था कि वे अभी शादी करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने इस तरह की खबरों को परेशान करने वाला बताया। फिलहाल एक बार फिर चर्चाएं तेज होने पर कृति क्या प्रतिक्रिया देती हैं, देखना दिलचस्प होगा।

### कौन हैं कबीर बहिया

कबीर बहिया बिजनेसमैन हैं। वे यूके में रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे यूके स्थित ट्रैवल एजेंसी साउथहॉल ट्रैवल के संस्थापक कुलजिंदर बहिया के बेटे हैं। कृति के जन्मदिन पर भी कबीर के साथ उनकी फोटो वायरल हुई थी। कहा गया कि कृति ने अपना जन्मदिन कबीर के साथ ही मनाया।

# जान्हवी कपूर ने भाई अर्जुन को कहा थेरेपिस्ट

## करना चाहते हैं साथ में फिल्म

अर्जुन कपूर का अपनी कजिन बहन जान्हवी कपूर और खुशी कपूर के साथ रिश्ता काफी अच्छा है। उनका यह भाई-बहन का खास रिश्ता समय के साथ और भी गहरा होता गया। वे अक्सर एक-दूसरे के अभिनय की प्रशंसा करते और उनका हौसला बढ़ाते नजर आए हैं। इसी बीच जान्हवी का एक इंटरव्यू सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें जान्हवी ने अर्जुन को थेरेपिस्ट बुलाया है और अब जान्हवी के थेरेपिस्ट बुलाने पर अर्जुन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इन दिनों सिंघम 3 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अर्जुन प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल लाइफ, सभी में लोगों की मदद करते रहते हैं, खास तौर पर अपनी बहनों के लिए वह काफी सहायक भाई हैं। सिर्फ जान्हवी कपूर और खुशी ही नहीं बल्कि अर्जुन अपनी सभी बहनों अंशुला कपूर और शनाया कपूर के लिए भी एक सहायक भाई हैं। अर्जुन के सहायक स्वभाव की वजह से ही जान्हवी ने एक बार उन्हें सभी कपूर बहनों का थेरेपिस्ट कहा था। अब, अर्जुन ने जान्हवी की इस बात पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान, अर्जुन कपूर से जब पूछा गया कि उनकी बहनें उन्हें थेरेपिस्ट क्यों कहती हैं तो इस पर अर्जुन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह एक बड़ा बयान है वह अपनी बहनों से बड़े हैं और इसलिए उनके पास अधिक अनुभव है। वह स्थिति को समझने और अपना दृष्टिकोण देने की परिपक्वता रखते हैं। आगे अर्जुन कपूर ने कहा, मैं थोड़ा नाप-तोल के लोगों को एक दृष्टिकोण दे सकता हूं। अर्जुन कपूर का कहना है कि जब भी वह किसी समस्या में फंस जाती हैं तो वह अपनी बहनों को सिक्के के दोनों पहलुओं के बारे में बताते हैं और यह उन्हें तय करना है कि वे क्या चाहती हैं।

### जान्वही के साथ करना चाहते हैं अभिनय

जान्हवी कपूर के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा कि वह उनके साथ काम करने के बारे में बात करते हैं क्योंकि वे एक ही पेशे में हैं। उन्होंने यह भी कहा, आप सुनते हैं, और आप उनसे सीखते भी हैं। अर्जुन ने कहा, आपको एक-दूसरे के लिए वहां रहने की आवश्यकता है, जहां उन्हें आपकी जरूरत हो। हम भाई और बहन हैं, लेकिन हमें अपने गहरे संबंधों को खोजने के लिए एक लंबा सफर तय करना है।

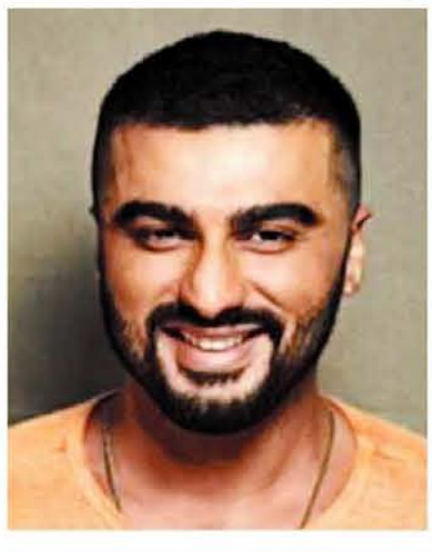

# बड़े वेब सीरीज के ऑफर को पवित्रा ने दिखाया ठेंगा, इंटीमेट सीन से किया तौबा

टीवी अभिनेत्री पवित्रा पुनिया बिग बॉस के बाद से ही फैंस के बीच लाइमलाइट में बनी हुई हैं। पवित्रा अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों अभिनेत्री ने पूर्व प्रेमी एजाज खान पर उन पर धर्म परिवर्तन करने का आरोप भी लगाया था। हालांकि, अब पवित्रा ने मनोरंजन जगत से खुद को दूर करने की वजह बताई है और बताया है कि क्यों वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नहीं आ रही हैं। पवित्रा ने टेली मसाला के साथ एक इंटरव्यू में कहा, मैं सीरीज में अपने कपड़ों और सीन्स को लेकर ज्यादा कंफर्टेबल नहीं थी, इसलिए मैंने मना कर दिया। पवित्रा ने आगे कहा कि मुझे कुछ सीन्स करने में आपत्ति थी, जो मैं करती तो शायद छा जाती, मैंने बहुत सारे काम छोड़े हैं।

# 'प्राधिकरण ने लैंड बैंक बढ़ाने की पहल शुरू की'

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा प्राधिकरण ने अपने लैंड बैंक को मजबूत करने के लिए TILA कंसल्टेंट्स एंड कॉन्ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड को नियुक्त किया है। यह निर्णय शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को गति देने के लिए लिया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि बड़े प्रोजेक्ट के लिए TILA Consultants & Contractors Pvt. Ltd. का चयन किया गया है। यह एजेंसी किसानों से वार्ता कर भूमि अधिग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एजेंसी का मुख्य काम किसानों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि को नोएडा प्राधिकरण के पक्ष में करना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने गुरुवार से गांव-नलगढ़ा में अपना कार्य शुरू कर दिया है, जहां आपसी समझौते के आधार पर भूमि का सर्वे किया जा रहा है। यह पहल नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक कंपनी की स्थापना से न केवल क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।

# सेक्टर-47 पहुंची 'नोएडा आप के द्वार' टीम

**नोएडा (चेतना मंच)।** नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्राधिकरण अधिकारियों ने सेक्टर-47 का दौरा किया। इस दौरान वर्क सर्किल-3 के अधिकारियों ने बैठक कर सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनी और उनके तत्काल निस्तारण का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान सेक्टरवासियों द्वारा नोएडा प्राधिकरण के विभिन्न विभागों से संबंधित 35 समस्याएं दर्ज कराई गई।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम के निर्देश पर सेक्टर व ग्रामों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम को सेक्टर व ग्रामवासियों द्वारा बेहद पसन्द किया जा रहा है।

]सेक्टर में व्याप्त समस्याओं का समाधान करने के मकसद से नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों की बैठक की जा रही है। गुरूवार को सेक्टर-47 आरडब्ल्यूए की बैठक में सेक्टरवासियों ने सेक्टर में पेड़ों की छंटाई नियमित रूप से कराये जाने, विभिन्न पार्को/गजीबो हट में विक्टोरिया (कास्ट आयरन) चेयर लगाने, ब्लॉक-ए एवं बी के पार्कों का जीर्णोद्धार कराये जाने, सेक्टर में ओपन जिम की कई मशीनें खराब हो चुकी है, जिनकी मरम्मत एवं फ्लोर टाईल्स की मरम्मत कराये जाने की मांग की गई। इसके अलावा सेक्टर-47 में एटीएम बूथ बनवाने, सेक्टर में खाली पडे हुये या कम्प्लीशन भूखण्ड की सफाई कराने सेक्टर-47 व 48 के मध्य की सडक पर रिसर्फेसिंग का कार्य कराने तथा सेक्टर के बाहर की सर्विस रोड को जॉकिंग ट्रैक व साईकिल ट्रैक के रूप में विकसित करने की मांग सेक्टरवासियों द्वारा की गई।

नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान अधिकांश समस्याओं में सीवर, पानी, बिजली, जन स्वास्थ्य, नियोजन समेत अन्य समस्याएं प्रमुख रही। सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनने के पश्चात नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-3 के अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि प्राप्त शिकायतों को 10 दिन के अंदर निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

# भू-लेख विभाग ने झट्टा में सर्वे किया शुरू

## विशेषज्ञ समिति के निर्देश पर पांच गांव चिन्हित

**नोएडा (चेतना मंच)।** राज्य सरकार की ओर से गठित विशेष समिति ने झट्टा में सर्वे कार्य का शुभारंभ किया गया है। यह कार्य भूलेख विभाग की टीम द्वारा किया जा रहा है, जिसमें गांव की आबादी और परिधीय क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा। इसकी जानकारी नोएडा प्राधिकरण की ओर से दी गई है। सरकार द्वारा 21 फरवरी को उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति में मेरठ के मंडलायुक्त और गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी को शामिल किया गया। समिति ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट 27 अगस्त को शासन को प्रेषित की, जिसके आधार पर 1 दिसंबर को एक और नई समिति का गठन किया गया। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सीईओ डॉ. लोकेश एम के निर्देश पर भूलेख विभाग, वर्क सर्किल और नियोजन विभाग को गांवों का सर्वे करने का कार्य सौंपा गया है। पहले चरण में पांच गांवों को चिह्नित किया गया है, जिनमें आबादी और बाहरी क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण किया जाएगा। यह पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अभिलेखों का आधुनिकीकरण और सटीक मानचित्रण संभव हो सकेगा। साथ ही, किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांगों का समाधान भी निकल सकेगा। सरकार द्वारा गठित समिति के निर्देशों के अनुरूप यह सर्वे कार्य किया जा रहा है, जिससे किसानों को उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान मिल सके।

# 'प्राधिकरण के सभी कर्मचारी समय से पहुंचें'

## एनईए अध्यक्ष चौ. राजकुमार ने बैठक कर कर्मचारियों से की अपील

**नोएडा (चेतना मंच)।** प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने एक बैठक कर सभी कर्मचारियों से समय पर ऑफिस आने की बात कही गई है। इसी बात को ध्यान में रखकर नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन (एनईए) के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार ने कर्मचारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील की कि वे समय से दफ्तर में आएं। उन्होंने कर्मचारियों से यह भी कहा कि वे जनता से अच्छा व्यवहार करें। ताकि शो विंडो कहे जाने वाले नोएडा का नाम और रोशन हो सके। उन्होंने कहा कि वैसे तो प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन और सुधार की जरूरत है।

नोएडा प्राधिकरण में नोएडा इंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार ने सभी कर्मचारियों के साथ इस विषय में बातचीत करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में उन्होंने कर्मचारियों से ऑफिस समय से आने के लिए कहा साथ ही उन्होंने कर्मचारियों से यहां आने वाले लोगों के साथ बढ़िया व्यवहार करने की भी अपील की।

# एमिटी विवि के छात्रों ने किया फिट इंडिया वॉक का आयोजन

**नोएडा (चेतना मंच)।** एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन और एमिटी स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज द्वारा संयुक्त रूप से 16 से 20 दिसंबर, 2024 तक आयोजित फिट इंडिया सप्ताह के अंर्तगत आज फिट इंडिया वॉक का आयोजन किया गया। इस फिट इंडिया वॉक में एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला, एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा संजीव बंसल और डा चंद्रदीप टंडन, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन की डीन डा कल्पना शर्मा सहित हजारो की संख्या में छात्रों ने फिट इंडिया वॉक किया। इस अवसर पर छात्रो ने बैनर पोस्टर सहित '' फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज'' का नारा लगाया।

एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी और युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा संचालित फिट इंडिया पहल के अंर्तगत एमिटी में फिट इंडिया सप्ताह का संचालन किया जा रहा है जिसके अंर्तगत आज इस वॉक का आयोजन किया गया। शारीरिक स्वस्थता के लिए अपको नियमित व्यायाम, योग सहित स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना चाहिए।

एमिटी मे हम सदैव छात्रों को स्वस्थ रखने के लिए योग सहित खेल कूद में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करते है। इसी कार्यक्रम के अंर्तगत विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को जानकारी प्रदान करने के लिए व्याख्यान सत्रों को आयोजन भी किया जायेगा।

इस अवसर पर एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन के निदेशक डा संजय सिंह, डीन (स्टूडेंट वेलयफेयर) डा एच पी सिंह और एमिटी स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज के डा अजित कुमार भी मौजूद थे।

# दस्तावेजों की कमी बनी एमएसएमई को ऋण मिलने में सबसे बड़ी बाधा

**नोएडा (चेतना मंच)।** सेक्टर-12 स्थित ईशान म्यूजिकल कॉलेज में एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन और यूनियन बैंक के संयुक्त तत्वावधान में एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के उद्यमियों को बैंकों से जुड़ी वित्तीय योजनाओं और सहायता प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में यूनियन बैंक के चीफ जनरल मैनेजर एवं जोनल हेड दिल्ली संजय नारायण ने कहा कि एमएसएमई सेक्टर की सबसे बड़ी समस्या बुक कीपिंग और दस्तावेजों की कमी है। इसके कारण उद्योगों को ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नाहटा ने जिले के उद्योग जगत के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नोएडा और दादरी जैसे क्षेत्रों में 30,000 से अधिक उद्योग और 2 लाख से ज्यादा GST रजिस्ट्रेशन हैं। उन्होंने मांग की कि बैंकों को अधिक शाखाएं खोलनी चाहिए ताकि उद्योगों को वित्तीय सहायता प्राप्त करने में आसानी हो। यूनियन बैंक के उप महाप्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि वित्तीय सहायता के बिना उद्योगों का संचालन संभव नहीं है।

इस कार्यक्रम में एमएसएमई इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के नोएडा अध्यक्ष सचिन राणा, यमुना प्राधिकरण अध्यक्ष रमेश राठौर, हाजी अनवर, समीर सेठ, CA आशीष गुप्ता, राज नीरज अग्रवाल, एन पी सिंह DDRWA, पी डी शर्मा, शिव भार्गव, डी पी गोयल, सरदार सुरजीत सिंह, सरदार गुरिंद्र सिंह भिंडर, आर्यन पुरी, डॉक्टर शोभा धवन, विजय भारती, मेहंदी हसन नकवी, रघुराज सोलंकी, पी एस सोलंकी, हरीश चन्द्र बघेल, चंद्र पाल एकन्या, रीना राणा, हाजी हकीमुदीन, दिलशाद खान, भूपेंद्र सिंह सेलाकोटी, प्रेम शंकर कुशवहा, नसीम खान, आरिज हुसैन, सुनील कुमार, शहजाद, डी वी सिंह, वी पी सिंह, सुबोध कुमार, वीरेंद्र सिंह, नरेश शर्मा, मुन्ना लाल, राम तीरथ तिवारी आदि मौजूद थे।